दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

ग्वालियर वर्षः 03 अंकः 132 ग्वालियर, बुधवार 20 मई 2020 पृष्ठः 08- मूल्यः 2 रु.

मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों की भगदड़ से बौखलाया ड्रैगन

बीजिंग। एक के बाद एक कई कंपनियों के चीन से निकलकर भारत में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने के ऐलान से ड्रैगन बौखला गया है। चीन सरकार के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने एक लेख में कहा है कि लॉकडाउन से अर्थव्यवस्था प्रभावित होने के बावजूद भारत बड़ा सपना देख रहा है, लेकिन चीन का विकल्प नहीं बन पाएगा। उसने चीन से भारत की तुलना को लेकर वेस्टर्न मीडिया को दलाल तक कह दिया।

गौरतलब है कि जर्मनी की जूता कंपनी ने अपना मैन्युफैक्चरिंग यूनिट चीन से आगरा शिफ्ट करने की बात कही है तो ओप्पो और ऐपल जैसी मोबाइल कंपनियों ने भी अब भारत शिफ्ट होने की बात कही है। बताया जा रहा है कि पहले अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर और अब कोरोना वायरस महामारी में सप्लाई चेन प्रभावित होने की वजह से करीब एक हजार कंपनियां चीन से निकलना चाहती है। ग्लोबल टाइम्स ने लिखा, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत का उत्तरी राज्य उत्तर प्रदेश ने चीन से मैन्युफैक्चरिंग यूनिट शिफ्ट करने की सोच रही कंपनियों को आकर्षित करने के लिए एक इकनॉमिक टास्क फोर्स बनाया है। हालांकि, ऐसे प्रयासों के बावजूद यह यह उम्मीद करना भ्रम है कि कोरोना महामारी के कारण चीन की अर्थव्यवस्था पर जो दबाव है उससे भारत दुनिया के लिए नई फैक्ट्री बन जाएगा। भारत को चीन का विकल्प बताने वालों को कट्टरपंथी कहते हुए मुखपत्र ने आगे लिखा कि जो कट्टरपंथी कह रहे हैं कि भारत चीन की जगह लेने को सही रास्ते पर हैं वह राष्ट्रवादी डींग है। इतना ही नहीं चीन ने इस मुद्दे को सीमा विवाद से भी जोड़ दिया और कहा कि यह गुमान आर्थिक मुद्दों से सैन्य स्तर तक पहुंच गया है। जिससे उन्होंने गलती से मान लिया है कि वे अब चीन का मुकाबला सीमा विवादों से कर सकते हैं। ग्लोबल टाइम्स ने अपनी खींझ पश्चिमी मीडिया पर भी निकाली और कहा कि पश्चिमी मीडिया चीन से भारत की तुलना करके उत्साह के साथ दलाली कर रही है। इससे कुछ भारतीयों को सही स्थिति को लेकर भ्रम हो गया है। यह सोचना अवास्तविक है कि इस समय भारत चीन की जगह ले सकता है।

मजदूरों के लिए 1000 बसः प्रियंका गांधी और योगी सरकार के बीच लेटर वार कहा

लखनऊ । लॉकडाउन में घर वापसी की आस में बैठे प्रवासी मजदूरों के लिए एक हजार बसों के इंतजाम को लेकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के निजी सचिव और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच छिड़ी जुबानी तकरार लगातार चौथे दिन मंगलवार को भी जारी रही। यूपी सरकार ने पहले बस लखनऊ मंगवाई, लेकिन कांग्रेस की ओर कहां गया कि मजदूर नोएडा और गाजियाबाद में फंसे हैं। ऐसे में बसें और परमिट लखनऊ भेजने का कोई औचित्य नहीं है। इसके बाद सरकार और कांग्रेस दोनों के बीच लेटर वार चलता रहा। पिछले शनिवार 16 मई को कांग्रेस महासचिव और उत्तर प्रदेश की प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर प्रवासी श्रमिकों के लिये एक हजार बसें चलाने की अनुमति मांगी थी। सरकार की ओर से कोई जवाब नहीं मिलने के बावजूद अगले दिन यानी रविवार को कांग्रेस की राजस्थान सरकार ने सीमा पर बसों का बेड़ा खड़ा कर दिया। इस बीच प्रियंका गांधी ने एक के बाद एक तीन ट्वीट कर योगी सरकार पर निशाना साधते हुये बसों के संचालन की अनुमति देने को कहा।

देर शाम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट के जरिये प्रतिक्रिया देते हुये इसे कांग्रेस की कुटिल राजनीति का सूचक बताया। सीएम योगी ने कहा कि सरकार प्रवासी श्रमिकों को सुरक्षित घर पहुंचाने के लिये कटिबद्ध है और इसके लिये बसों का इंतजाम सीमावर्ती जिलों में किया जा चुका है। बाद में सूबे के अपर मुख्य सचिव गृह ने कांग्रेस से बस का रजिस्ट्रेशन नम्बर, फिटनेस प्रमाणपत्र, चालक परिचालक की सूची मांगी जिसे कांग्रेस ने सोमवार दोपहर बाद सरकार को भेज दिया गया। कांग्रेस द्वारा भेजी गयी सूची को स्वीकार करते हुये सरकार की तरफ से कहा गया कि बसों को लखनऊ चालक परिचालक के साथ भेजा जाए। प्रियंका गांधी के निजी सचिव संदीप सिंह ने सोमवार और मंगलवार की रात दो बजे सूबे के अपर मुख्य सचिव गृह को पत्र लिख कर कहा, %लाकडाउन में फंसे प्रवासी मजदूरों के सिलसिले में रविवार शाम चार बजे सरकार ने एक हजार बसों की सूची चालक परिचालक के नाम के साथ मांगी थी जिसे उपलब्ध करा दिया गया है। आपने मंगलवार सुबह दस बजे लखनऊ में बसें उपलब्ध कराने की अपेक्षा की है जबकि प्रवासी गाजियाबाद और नोएडा स्थित दिल्ली सीमा पर फंसे है। ऐसे में लखनऊ को बस भेजना समय और संसाधन की बरबादी है और गरीब विरोधी मानसिकता की उपज है। ऐसा लगता नहीं है कि आपकी सरकार श्रमिकों की मदद करना चाहती है।

दिल्ली हिंसा मामला : जमानत के लिए एक बार फिर हाईकोर्ट पहुंचा शाहरुख पठान

नई दिल्ली। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध में उत्तर-पूर्वी दिल्ली के जाफराबाद में भड़की साम्प्रदायिक हिंसा के मामले में आरोपी शाहरुख पठान ने जमानत के लिए एक बार फिर से दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाज खटखटाया है। हाल ही में कड़कड़डूमा कोर्ट ने शाहरुख की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को शाहरुख पठान की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है। दिल्ली हिंसा के दौरान शाहरुख पठान ने ही हेड कांस्टेबल दीपक दहिया और अन्य लोगों पर गोली चलाई थी। शाहरुख पठान को क्राइम ब्रांच की नारकोटिक्स सेल ने 3 मार्च 2020 को गिरफ्तार किया था। फिलहाल शाहरुख दिल्ली की जेल में बंद है। शाहरुख की तरफ से उसके वकील ने जेल में कोरोना वायरस के खतरे का हवाला देते हुए कड़कड़डूमा कोर्ट से अपने मुवक्किल को जमानत पर रिहा करने की मांग की थी, लेकिन अदालत ने आरोपों को गंभीर बताते हुए जमानत याचिका खारिज कर दी थी। अदालत ने आरोपी शाहरुख पठान को जमानत पर रिहा करने से इनकार करते हुए कहा था कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन करना मौलिक अधिकार है, लेकिन हवा में पिस्तौल लहराना गंभीर अपराध है। यह सीधे तौर पर कानून व्यवस्था को चुनौती देना है। वहीं, सरकारी वकील ने आरोपी शाहरुख की जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि 24 फरवरी को जब दंगे भड़के उस समय आरोपी पिस्तौल लहराते हुए भीड़ का नेतृत्व कर रहा था। वहीं, बचाव पक्ष के वकील ने कहा कि इस मामले में मुकदमा दर्ज होने में देरी हुई। दूसरा इस समय कोरोना वायरस फैलने का खतरा है, जिसे देखते हुए शाहरुख को जमानत पर रिहा कर देना चाहिए।

दिल्ली दंगे में 53 लोगों की हुई थी मौत–गौरतलब है कि नागरिकता कानून के समर्थकों और विरोधियों के बीच संघर्ष के बाद 24 फरवरी को उत्तर-पूर्वी दिल्ली के जाफराबाद, मौजपुर, बाबरपुर, घोंडा, चांदबाग, शिव विहार, भजनपुरा, यमुना विहार इलाकों में सांप्रदायिक दंगे भड़क गए थे। इस हिंसा में कम से कम 53 लोगों की मौत हो गई थी और 200 से अधिक लोग घायल हो गए थे। साथ ही सरकारी और निजी संपत्ति को भी काफी नुकसान पहुंचा था। उग्र भीड़ ने मकानों, दुकानों, वाहनों, एक पेट्रोल पम्प को फूंक दिया था और स्थानीय लोगों तथा पुलिस कर्मियों पर पथराव किया।

रेलवे ने किया साफ, अब श्रमिक स्पेशल ट्रेन को चलाने के लिए

राज्यों से सहमति की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने मंगलवार को कहा कि श्रमिक विशेष ट्रेनों के परिचालन के लिए उन राज्यों की सहमति जरूरी नहीं होगी जहां ट्रेन की यात्रा खत्म होगी। गृह मंत्रालय ने प्रवासी श्रमिकों को उनके गृह राज्यों में पहुंचाने के लिए इन ट्रेनों को चलाने के वास्ते रेलवे के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की। रेलवे के प्रवक्ता राजेश बाजपेई ने कहा, श्रमिक विशेष ट्रेनों को चलाने के लिए उन राज्यों की सहमति की आवश्यकता नहीं है जहां यात्रा समाप्त होनी है। उन्होंने कहा, नई एसओपी के बाद उस राज्य की सहमति लेना अब आवश्यक नहीं है जहां ट्रेन का समापन होना है। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि पश्चिम बंगाल, झारखंड और छत्तीसगढ़ इन ट्रेनों को मंजूरी देने के मामले में पीछे हैं। गौरतलब है कि गत एक मई से रेलवे ने 1,565 प्रवासी श्रमिक ट्रेनों का परिचालन किया है और 20 लाख से अधिक प्रवासियों को उनके गृह राज्यों में पहुंचाया है। वहीं, केंद्र ने राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से प्रवासी मजदूरों को लाने-ले जाने के लिए रेलवे के साथ करीबी समन्वय कर और विशेष रेलगाड़ियां चलाने को कहा है। साथ ही कहा है कि महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों का खास ख्याल रखा जाए। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने ट्रेन से प्रवासी मजदूरों की आवाजाही के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) भी मंगलवार को जारी की। केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने सभी राज्य सरकारों एवं केंद्र शासित प्रशासनों को भेजे पत्र में कहा कि फंसे हुए कर्मियों के घर लौटने की सबसे बड़ी वजह कोविड-19 का खतरा और आजीविका गंवाने की आशंका है। उन्होंने पत्र में कहा, प्रवासी मजदूरों की चिंताओं को दूर करने के क्रम में, अगर निम्न कदमों को लागू किया जाता है तो मैं आभारी रहूंगा।

मुंबई के बांद्रा रेलवे स्टेशन जुटे बिहार के हजारों प्रवासी मजदूर

श्रमिक स्पेशल ट्रेन में होना चाहते थे सवार

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी में एक तरफ कोरोना वायरस का संक्रमण बेकाबू होता जा रहा है तो दूसरी तरफ प्रवासी मजदूरों को संभालना भी मुश्किल होता जा रहा है। मंगलवार को एक बार फिर बांद्रा स्टेशन के बाहर हजारों की संख्या में प्रवासी मजदूर जुट गए। ये सभी बिहार के लिए श्रमिक स्पेशल ट्रेन में सवार होना चाहते थे। सोशल डिस्टेंशिंग की तो धज्जियां उड़ गईं। भीड़ को पुलिस ने किसी तरह वहां से हटाया। मुंबई में कोरोना वायरस संक्रमण के 21 हजार से अधिक केस सामने आ चुके हैं। लॉकडाउन की वजह से कामकाज बंद है। प्रवासी मजदूरों के लिए बड़ा संकट खड़ा हो चुका है। उनके पास पिछले 50 दिन से कोई काम नहीं है। बहुत से मजदूरों को खाना-पानी भी ठीक से नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में सभी मजदूर जल्द से जल्द अपने घर जाना चाहते हैं। मंगलवार को बांद्रा रेलवे स्टेशन के बाहर हजारों की संख्या में मजदूर पहुंच गए। हालांकि इनमें से केवल 1000 ऐसे मजदूर ही श्रमिक स्पेशल ट्रेन में सवार हो सके, जिन्होंने पहले से अपना रजिस्ट्रेशन कराया था।

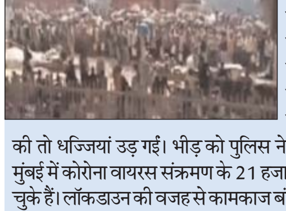

संत देव प्रभाकर शास्त्री दद्दाजी के अंतिम संस्कार में उमड़ी भीड़

गृह मंत्रालय के गाइडलाइंस की उड़ी धज्जियां

कटनी। प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु एवं संत देव प्रभाकर शास्त्री का रविवार रात मध्य प्रदेश के कटनी में उनके निवास दद्दाधाम में निधन हो गया। फिल्मी सितारों और राजनेताओं सहित बड़ी संख्या में अपने अनुयायियों के बीच वह दद्दाजी नाम से जाने जाते थे। आज उनके अंतिम संस्कार में लोगों की भारी भीड़ उमर पड़ी। आपको बता दें कि इस दौरान केंद्र सरकार के द्वारा जारी लॉकडाउन के नियमों की धज्जियां उड़ गई। गृह मंत्रालय के द्वारा लॉकडाउन 4 को लेकर जारी गाइडलाइंस के मुताबिक अंतिम संस्कार में 20 से अधिक लोग शामिल नहीं हो सकते हैं, लेकिन दद्दाजी की अंतिम यात्रा में सैकडों लोगों की भीड़ देखी गई। आपको बता दें कि कल ही उनका निधन हुआ था। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि वह 82 वर्ष के थे और लम्बे समय से फेफड़े और किडनी से संबंधित बीमारियों से ग्रसित थे। उनके परिवार में तीन बेटे और दो बेटियां हैं। उनकी पत्नी का पहले ही निधन हो चुका है। दद्दाजी शिष्य मंडल के प्रवक्ता संजीव श्रीवास्तव ने सोमवार को बताया कि संत का उपचार दिल्ली के एक अस्पताल में चल रहा था। जब दद्दाजी की हालत बिगड़ने लगी तो शनिवार को उन्हें यहां लाया गया। अभिनेता आशुतोष राणा और मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री संजय पाठक सहित उनके शिष्यों द्वारा उन्हें पहले एयर एम्बुलेंस से जबलपुर लाया गया और बाद में उन्हें सड़क मार्ग से कटनी लाया गया। उन्होंने बताया कि संत का अंतिम संस्कार सोमवार को शहर के बाहरी इलाके दद्दाधाम में किया गया, जिसमें उनके अनुयायी अभिनेता आशुतोष राणा और राजपाल यादव भी मौजूद थे। इसके अलावा दद्दाजी को श्रद्धांजलि देने भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की पत्नी साधना सिंह भी कटनी आये। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय सिंह सहित अन्य लोगों ने संत देव प्रभाकर शास्त्री के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

भारत में कोरोना से मिलती-जुलती रहस्यमय बीमारी ने दी दस्तक

नई दिल्ली। अमेरिका और यूरोपीय देशों में कई बच्चों की जान ले चुकी रहस्यमय बीमारी भारत तक पहुंच गई। कोरोना वायरस से जुड़ी बताई जा रही इस दुर्लभ बीमारी के लक्षण चेन्नई में एक आठ साल के बच्चे में देखे गए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे लेकर अलर्ट जारी किया है। डॉक्टरों ने बताया कि इस बीमारी की वजह से बच्चे के पूरे शरीर में सूजन आ गई और शरीर पर लाल चकत्ते पड़ गए। कोरोना वायरस जैसे लक्षण भी दिख रहे थे।

खतरा बड़ा क्यों?–इस बीमारी से शरीर में मल्टी सिस्टम इंफ्लामेंट्री सिंड्रोम यानी जहरीले तत्व उत्पन्न होने लगते हैं और पूरे शरीर में फैल जाते हैं। इसका असर कई महत्वपूर्ण अंगों पर पड़ता है। इससे एकसाथ कई अंग काम करना बंद कर सकते हैं और बच्चे की जान भी जा सकती है।

पहले भी दिखे थे इस बीमारी के लक्षण–कुछ दिनों पहले कोलकाता में चार महीने के एक बच्चे में भी इस तरह के लक्षण देखे गए थे। यह बच्चा कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया था। इसके बाद से भारत में भी डॉक्टर इस बीमारी पर नजर रख रहे हैं।

कोरोना प्रभावित इलाकों में 30 गुना ज्यादा बीमार–लेसेंट की रिपोर्ट के मुताबिक, इटली में शोधकर्ताओं ने कोरोना वायरस और इस बीमारी के बीच संबंध खोज लिया है। उनके मुताबिक, यह दुर्लभ किस्म की बीमारी है और इसे पीडिएट्रिक इंफ्लेमेंट्री मल्टी-सिस्टम सिंड्रोम नाम दिया गया है। उत्तरी इटली के जिन इलाकों में कोरोना वायरस के मामले ज्यादा सामने आए थे वहां पिछले दो महीने में इससे बच्चों के बीमार पड़ने की दर 30 गुना ज्यादा पाई गई है। अमेरिका के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) ने भी सिंड्रोम से पीड़ित 145 मामलों के कोरोना से संबंध होने की पुष्टि की है।

डब्ल्यूएचओ की हिदायत–विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे लेकर खास सतर्कता बरतने की हिदायत दी है। डॉक्टर मारिया वैन कोरखोव ने कहा कि बच्चों में इंफ्लामेंट्री सिंड्रोम जैसे हाथों या पैरों पर लाल चकत्ते निकलना, सूजन आना या पेट में दर्द होना कोरोना के लक्षण हो सकते हैं।

ओडिशा तट के करीब पहुंचा चक्रवाती तूफान अम्फान, कुछ हिस्सों में बारिश शुरू

भुवनेश्वर। महाचक्रवात अम्फान के ओडिशा तटों के करीब पहुंचने के साथ ही कुछ हिस्सों में बारिश शुरू हो गई है। ओडिशा के पुरी, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर और खुर्दा जिलों के कई क्षेत्रों में हल्की बारिश शुरू हो रही है। तूफान को देखते हुए राज्य सरकार ने संवेदनशील एवं निचले इलाकों को खाली कराने के प्रयास तेज कर दिए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मौसम विज्ञान केंद्र, भुवनेश्वर के निदेशक एच आर विश्वास ने कहा कि सुबह अम्फान का केंद्र पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर था, जो पारादीप (ओडिशा) से करीब 520 किलोमीटर दक्षिण, दीघा से 670 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपश्चिम और बांग्लादेश के खेपुपारा से 800 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपश्चिम में है। उन्होंने कहा कि इसे अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान के रूप में कमजोर होकर उत्तर-उत्तरपूर्व की दिशा में बंगाल की खाड़ी के ऊपर पहुंचने और बुधवार की दोपहर या शाम तक पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश तटों के बीच दीघा और हटिया द्वीप से गुजरने का अनुमान है तथा तूफान में हवाओं की गति निरतंर 155 से 165 किलोमीटर प्रति बनी रहेगी जो बीच-बीच में 180 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकती है। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि इसके असर से ओडिशा के पुरी, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर और खुर्दा जिलों के कई इलाकों में हल्की बारिश हुई है और धीरे-धीरे हवा की गति और बारिश की अधिकता बढ़ सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने कहा कि क्योंकि प्रचंड तूफान धीरे-धीरे कमजोर पड़ रहा है, ओडिशा पर इसका बहुत ज्यादा असर शायद न हो। हालांकि, उन्होंने कहा कि जगतसिंहपुर, केंद्रपाड़ा, भद्रक और बालासोर जैसे तटीय इलाकों में मंगलवार की शाम से बहुत तेज हवाएं चलने के साथ भारी बारिश हो सकती है। विशेष बचाव आयुक्त पी के जेना ने कहा कि निचले इलाकों, तटीय जिलों में मिट्टी के घरों में रह रहे लोगों को निकालने की प्रक्रिया जारी है और यह काम शाम तक पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने एहतियाती कदम के तौर पर 11 लाख लोगों को निकालने की व्यवस्था की है।

भारत में कोरोना मरीजों के ठीक होने की दर अमेरिका से 20 गुना बेहतर

अब तक 39 हजार से अधिक लोग डिस्चार्ज

नई दिल्ली। भारत में कोरोना पीड़ितों के ठीक होने की दर अमेरिका से 20 गुना बेहतर है। अमेरिका में जब संक्रमण के कुल मामले एक लाख थे तब सिर्फ दो फीसदी लोग बीमारी से उबर पाए थे, जबकि भारत में करीब 40 फीसदी लोग पूरी तरह ठीक हो चुके हैं। दुनिया के कई देशों के मुकाबले भारत में लोगों के स्वस्थ होने की दर काफी ज्यादा है। नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत ने भी ट्वीट कर बताया कि हमारी स्थिति काफी बेहतर है। उन्होंने लिखा कि देश में प्रति दस लाख लोगों पर सिर्फ दो लोगों की मौत हो रही है, जबकि अमेरिका में यह संख्या 275 और स्पेन में 591 है। भारत में मृत्युदर करीब तीन फीसदी है और स्वस्थ होने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

कहां कितने फीसदी लोग हुए स्वस्थ–

THANK YOU
"STAFF"
GMSH, SECTOR 16,
CHANDIGARH

दुनिया में अगर कोरोना मरीजों के स्वस्थ होने की बात करें तो अमेरिका में दो प्रतिशत, रूस में 11, इटली में 14, तुर्की में 18, फ्रांस में 21, स्पेन में 22, जर्मनी में 29 और भारत में 40 प्रतिशत कोरोना मरीज अभी तक स्वस्थ हो चुके हैं। कहा जा रहा है कि भारत में सही समय पर कोरोना को लेकर जरूरी कदम उठाए गए। अस्पतालों में सुविधाएं तेजी से बढ़ाई गईं। इस कारण से संक्रमण देरी से फैला और स्वास्थ्य सुविधाएं दुरुस्त होने से सही इलाज मिला।जागरुकता की वजह से लोग जल्दी अस्पतालों तक पहुंचे और उपचार कराया। भारत में युवाओं की संख्या ज्यादा और उनका प्रतिरक्षा तंत्र मजबूत होने से भी मदद मिली है। अमेरिका में हुई थीं भारत से कम मौतें-एक लाख संक्रमण पर अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों में भारत से कम मौतें हुई थीं। हालांकि, बाद में अमेरिका में तेजी से मामले बढ़े और मरने वालों की संख्या 90 हजार से भी ज्यादा हो गई। एक लाख के संक्रमण पर कहां रूस में 1073, जर्मनी में 1584, अमेरिका में 2110, तुर्की में 2491, भारत में 3163, ब्राजील में 7025, स्पेन में 9387, फ्रांस में 10869, इटली में 11591 मरीजों की मौत हुई है।

डेढ़ माह में सुधारे गए प्रदेश के 40 हजार हैंडपप

134 बसाहटों में नए नलकूप व हैंडपंप स्थापित

प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में गर्मी के मौसम में लोगों को पेयजल उपलब्ध कराए जाने के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा पिछले डेढ़ माह लॉकडाउन की अवधि में 40 हजार 636 हैंडपम्पों का सुधारा गया। इसके अलावा 6902 ऐसे हैंडपम्पों जहां का जल स्तर नीचे चला गया था वहां 34023 मीटर राईजर पाइप बढ़ाकर हैंडपम्पों को चालू कराया गया। इसके अलावा 94 बसाहटों में जहां हैंडपम्पों में जल स्तर बहुत नीचे चला गया। किन्तु नलकूप में पेयजल की उपलब्धता को देखते हुए उनमें सिंगल फेस मोटर पंप को स्थापित कर ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध कराया गया है। इसी अवधि में 134 बसाहटों में नवीन नलकूप खनन कर हैंडपम्प स्थापित किए गए और 60 टूटे-फूटे हैंडपम्प प्लेटफार्म का पुनर्निमाण कराया गया है।

15 हजार नल-जल योजनाएं

प्रमुख अभियंता सीएस संकुले ने बताया कि प्रदेश में 16 हजार 253 नल-जल योजनाएं संचालित हैं। इनमें से 14 हजार 891 योजनाएं चालू हैं। बंद नल-जल योजनाओं में से 186 योजनाओं में स्त्रोत पर ही पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। विभाग द्वारा स्थानीय ग्राम पंचायतों के सहयोग से 167 बंद नल-जल योजनाओं को चालू करवाया है। जबकि स्त्रोत असफल होने से विभाग ने बंद 41 योजनाओं में नवीन स्त्रोत का निर्माण कर पंचायतों के माध्यम से चालू कराया है। 208 नल-जल योजनाएं चालू की गई हैं।

5 लाख 38 हजार हैंडपंप

लोक स्वास्थ्य यात्रिकी विभाग के अधीन प्रदेश के विभिन्न ग्रामीण अंचलों में वर्तमान में 5 लाख 52 हजार 825 हैंडपम्प स्थापित हैं। इनमें से 5 लाख 38 हजार 10 हैंडपम्पों के माध्यम से ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। इनमें से 3 हजार 515 हैण्डपम्प सुधार योग्य हैं,उनका सुधार कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है। इसके अलावा 9 हजार 96 हैंड पम्प जल स्तर अत्यधिक नीचे जाने की वजह से बंद हैं, जो बरसात के बाद चालू हो जाएंगे।

समस्याग्रस्त बसाहटों का चयन

प्रमुख अभियंता संकुले ने बताया कि गर्मी के मौसम के दृष्टिगत पहले से ही संभावित पेयजल समस्या ग्रसित होने वाली बसाहटों को चिन्हांकित कर लिया गया है। प्रदेश में 13 हजार 393 पेयजल समस्या बसाहटें चिंन्हित की गई है जिनकी जनसंख्या 87 लाख 51 हजार 281 है। इनमें से 4752 बसाहटों में 14 हजार 106 हैंडपम्पों में 1 लाख 18 हजार 464 मीटर राईजर पाइप बढ़ाया जा रहा है और 4276 बसाहटों में नवीन नलकूप खनन की कार्रवाई भी की जा रही है।

पानी कराएंगे उपलब्ध

इसी तरह 283 ग्रामीण नल-जल योजनाओं में पाइप-लाइन बढ़ाकर आवश्यकता के अनुसार पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा जबकि 4081 हैंडपंपों पर सिंगल मोटर पंप की जरूरत होने पर स्थापित कराई जाएंगी। इसके अलावा 1733 नलकूपों में हाईड्रोफ्रेक्रिंग कराई जाएगी। इन सभी व्यवस्थाओं के बाद भी किसी बसाहट में पेयजल की दिक्कतें आती हैं तो समीप के जल उपलब्धता वाले स्थान से परिवहन कराकर ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध करवाया जाएगा।

नई सरकार में मान रहे असुरक्षित व संगठन में असहज

'नए' भाजपा नेताओं से पुरानों का भविष्य लग गया दांव पर

प्रदेश में कई दिग्गज भाजपाई राजनेता जो सत्ता और संगठन दोनों में ही अपनी खास स्थिति के लिए जाने जाते थे, वे अब स्वयं को नई सरकार में असुरक्षित और संगठन में असहज महसूस करने लगे हैं। कारण है नए-नए भाजपाई बनें कांग्रेस के पूर्व नेता। पिछले चुनावों में एक-दूसरें के खिलाफ दम ठोंकने वाले इन नेताओं को अब साथ मिलकर भाजपा के लिए आगामी उपचुनावों में बागडोर संभालनीं है, पर सूत्रों कि माने तो भाजपा में आए इन नेताओं से न तो भाजपा के दिग्गजों में खुशी है और न ही कार्यकताओं में जोश। ऐसे में आगामी विधानसभा उपचुनावों में भाजपा की राह आसान नजर नहीं आ रही। प्रदेश में जल्द ही 24 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने है। चुनाव आयोग के इन जिलों के कलेक्टर्स को को तैयारी करने के निर्देश देने के बाद अब सियासी पारा गरमा गया है। इन सीटों पर भाजपा की ओर से पिछली कांग्रेस की कमलनाथ सरकार को गिराने में अहम भूमिका निभाने वाले विधायकों को ही मैदान में उतारने की निर्णय भाजपा संगठन ने लिया है। ऐसे में पिछले विधानसभा चुनाव में हारे हुए भाजपा के नेताओं में आक्रोश पनप रहा है। ये सभी ऐसे नेता हैं जो पहले मंत्री और कई बार विधायक रह चुके हैं।

कार्यकर्ताओं का रोष भी मुसीबत

कांग्रेस से आए जिन नेताओं को चुनाव लड़ना है वे संगठन के आला नेताओं से सीधे जिले और विधानसभा क्षेत्र के नेताओं को फरमान जारी कर रहे हैं। अपने नेताओं की स्थिति देख कार्यकताओं में भी भारी रोष है। हालांकि संगठन के आला नेता जिन क्षेत्रों में चुनाव होने हैं वहां के नेताओं से सीधी बात कर रहे हैं और उन्हें साधने के जतन करने में लगे हैं। पार्टी के सूत्रों की माने तो इन 24 विधानसभा सीटों में किए गए सर्वे के अनुसार भाजपा की स्थिति चिंताजनक है। उन्हें इन 24 सीटों में से आधी ही उनके खाते में आती दिख रही है। अधिकांश सीटों पर भाजपा के मैदानी कार्यकर्ता कांग्रेस से आए नेता और उनके समर्थकों को पचा नहीं पा रहे हैं। ऐसे में स्थिति से निपटने के लिए पिछले सप्ताह सभी संगठन मंत्रियों की बैठक भी बुलाई गई थी।

नेताओं पर दबाव

हालांकि पार्टी गाइन-लाइन के चलते वे खुलकर तो कुछ नहीं कह रहे पर उनको बाद का भी डर सता रहा है कि इससे भविष्य में उनकी राजनीति पर संकट न आ जाए। हालांकि भाजपा संगठन ने ओर से इन नेताओं को भरोसा दिलाया जा रहा है कि पार्टी उन्हें दरकिरार नहीं कर रही है। उन्हें भविष्य में उचित सम्मान दिया जाएगा। पर संगठन ने यह भी साफ कर दिया है कि इसके लिए उन्हें उपचुनाव में उतरने वाले प्रत्याशियों के पक्ष में पूरे बल के साथ काम करना होगा।

आक्रोश के बीच संगठन सख्त

आगामी उपचुनावों को लेकर भाजपा संगठन ने सख्त निर्देश जारी कर दिए है। संगठन ने साफ कर दिया है कि पिछले चुनाव में हारे भाजपा नेताओं को इस बार पार्टी से टिकट नहीं दिया जाएगा। ऐसे में सभी नेताओं को अपने कार्यकताओं के साथ भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में ही काम करना होगा। वे किसी भी स्थिति में प्रत्याशी को लेकर ऐसा बयान नहीं देंगे जिससे पार्टी की जीत की राह कठिन हो। गौरतलब है पूर्व मंत्री दीपक जोशी ने भी कुछ दिन पहले टिकट न मिलने पर और भी रास्ते होने की बात कही थी। पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और संगठन मंत्री से मुलाकात के बाद उनके सुर बदल गए। जिसके बाद से अन्य नेताओं के भी तेवर नरम पड़ गए। विधानसभा क्षेत्रों में कार्यकताओं के बीच चर्चा है कि सरकार के लिए पार्टी में कभी फ्रंट लाइन में रहने वाले इन नेताओं का राजनीतिक भविष्य ही दांव पर लगा दिया है।

गुटबाजी जोरों पर

कांग्रेस को सत्ता से बेदखल कर भाजपा में आने के बाद से विधानसभा क्षेत्रों में दो गुट बन चुके है। भाजपा का पुराना कार्यकर्ता कांग्रेस से आए इन नेताओं को कतई स्वीकार करने की मानसिकता में नहीं है, ऐसे में नेताओं की अंदरुनी नाराजगी और कार्यकताओं के बीच गुटबाजी से निपटते हुए उपचुनाव में भाजपा की जीत आसान नहीं दिख रही है।

> प्रदेश अध्यक्ष से मुलाकात के दौरान मैंने अपने बात कह दी है। मैं भाजपा में था, भाजपा में हूं और भाजपा में ही रहूंगा। पार्टी जो भी आदेश देगी, उस पर काम करुंगा।
>
> **दीपक जोशी**, पूर्व विधायक

> मेरे लिए संगठन ही सब कुछ है। प्रदेश के हित के लिए पार्टी तो निर्णय लेगी मैं उसके साथ रहूंगा। उपचुनाव में पार्टी टिकट जिसे भी दें, जीत भाजपा की ही होगी।
>
> **रुस्तम सिंह**, पूर्व मंत्री

> मैं शुरू से ही जनता की भलाई और विकास के लिए ही काम करता रहा हूं। पार्टी टिकट किसी को भी दें, मैं पार्टी निदेर्शों के अनुसार जनहित में कार्य करता रहूंगा।
>
> **भंवर सिंह शेखावत**

> पार्टी में मेरी भूमिका को लेकर संगठन जो भी फैसला हो मुझे मंजूर होगा। उपचुनाव में भाजपा की जीत के लिए पूरी निष्ठा के साथ काम करुंगा।
>
> **लाल सिंह आर्य**,पूर्व मंत्री

मंत्रिमंडल के नाम तय, अंतिम मुहर लगने का इंतजार

शाह, भदौरिया और बिसाहू भी मिले शर्मा से

मंत्रिमंडल के दावेदारों का प्रदेश भाजपा कार्यालय जाकर प्रदेश अध्यक्ष और संगठन महामंत्री से मिलना जारी है। इसी क्रम में पूर्व मंत्री विजय शाह, अटेर से विधायक अरविंद भदौरिया और कांग्रेस से भाजपा में आए पूर्व मंत्री बिसाहूलाल सिंह ने अलग-अलग यमश में प्रदेश कार्यालय पहुंचकर प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा से मुलाकात की। गौरतलब है कि तीनों नेता मंत्री पद के प्रबल दावेदार हैं। अरविंद भदौरिया ने दो महीने पहले हुए आपरेशन लोट्स में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी। वहीं विजय शाह का इस बार मंत्री पद खतरे में बताया जा रहा है।

शिवराज मंत्रिमंडल के विस्तार में किन विधायकों को जगह दी जानी है, इसके लिए प्रदेश संगठन और मुख्यमंत्री की ओर से लगभग नाम तय कर लिए गए हैं। बस इंतजार है तो इस सूची पर केंद्रीय संगठन की अंतिम मुहर लगने का। माना जा रहा है कि एक-दो दिन में पार्टी अलाकमान से भी इस मामले में हरी झंडी मिल सकती है। इस सूची में सिंधिया समर्थक छह और दो पूर्व कांग्रेसी विधायकों के नाम भी बताए जा रहे हैं। यह सभी पूर्व विधायक अब कांग्रेस छोड़ने के बाद भाजपा शामिल हो चुके हैं। इसको लेकर सत्ता संगठन में बीते दो दिनों से मंथन का दौर चल रहा था। यही वजह है कि शनिवार के बाद रविवार को मुख्यमंत्री ने फिर संगठन के आला नेताओं से चर्चा की और उसके बाद प्रदेश भाजपा कार्यालय पहुंचकर संगठन महामंत्री सुहास भगत से एकांत में लंबी चर्चा की। माना जा रहा है कि अब सीएम जल्द दिल्ली में आला नेताओं से चर्चा कर मंत्रिमंडल का विस्तार करेंगे। समझौते के तहत ज्योतिरादित्य सिंधिया के दस समर्थकों का मंत्री बनना है। इसमें से तुलसी सिलावट और गोविंद राजपूत को पहले ही मंत्री बना दिया गया है। इसके अलावा अब आठ और पूर्व विधायकों को मंत्री बनाया जाना है। सिंधिया गोहद से पूर्व विधायक रणवीर जाटव को भी पद चाहते हैं। सत्ता और संगठन को सबसे ज्यादा माथापच्ची भाजपा विधायकों में से मंत्री तय करने को लेकर हो रही है। पार्टी में सीनियर विधायकों की लंबी लिस्ट हैं और अब तीन से चार बार के विधायक संगठन के सामने मंत्री बनने की इच्छा जाहिर कर चुके हैं।

राजस्व बढ़ाने मंत्री समूह की बैठक में हुआ विचार-विमर्श

आबकारी और खनिज विभाग पर की गई चर्चा

गृह, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा और आदिम जाति कल्याण मंत्री मीना सिंह ने प्रदेश में कोविड-19 की परिस्थितियों के मद्देनजर राजस्व वृद्धि के लिए अधिकारियों से चर्चा की। मंत्री समूह की बैठक में खनिज विभाग और आबकारी विभाग से प्राप्त होने वाले राजस्व में वृद्धि के लिए चर्चा की गई। बैठक में पहले खनिज विभाग के राजस्व में वृद्धि पर चर्चा हुई। पश्चात आबकारी विभाग से जनरेट होने वाले राजस्व पर चर्चा की गई। बैठक में अपर मुख्य सचिव वित्त अनुराग जैन, प्रमुख सचिव वाणिज्यिक कर मनोज गोविल, प्रमुख सचिव लोक निर्माण नीरज मंडलोई, सचिव खनिज सुखवीर सिंह, आयुक्त आबकारी राजीव चन्द्र दुबे मौजूद थे।

गृह मंत्री से इंदौर, सांवेर के जन-प्रतिनिधियों ने की भेंट

मंत्रालय में गृह, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा से इंदौर और सांवेर के जन-प्रतिनिधियों ने भेंट की। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने सौजन्य भेंट करवाई। भेंट करने वालो में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष इंदौर हुकुम सिंह सांखला, जनपद सदस्य ओम सेठ, नगजीराम ठाकुर, हुकुम सिंह पटेल, पूर्व मंडी अध्यक्ष सांवेर भारत सिंह चौहान और दिलीप चौधरी शामिल थे। मंत्री डॉ. मिश्रा ने सभी से परिचय प्राप्त कर अभिनन्दन किया।

शिवपुरी झांसी सीमा पर मजदूरों ने लगाया जाम

हाइवे पर फंसे मजदूरों को जिगना पुलिस ने बांटा भोजन

दतिया। यूपी एमपी झांसी शिवपुरी बॉर्डर पर रोजाना हजारो मजदूरों का आना जारी है। रोज की तरह ग्राम जोहरिया पर मजदूरों को रोका गया। गुस्साए मजदूरों द्वारा हाइवे पर जाम लगाकर वाहनों को रोक दिया गया है। उनके लिए यूपी प्रशासन द्वारा बसों की व्यवस्था नहीं की गई है। इस कारण उन्होंने जाम लगा दिया गया है। जाम लगने से हाइवे पर वहानो की लंबी लाइन खड़ी हो गई है और आवागमन ठप हो गया है। वही पलायन कर आ रहे प्रवासी मजदूरों को दतिया की जिगना पुलिस द्वारा यूपी एमपी बॉर्डर ग्राम जोहरिया पर पर गरीबों को भोजन पैकेट वितरण किये जा रहे है। जहां एक तरफ मजदूर यूपी प्रशासन को कोस रहे है तो वही मजदूर दतिया पुलिस धन्यवाद दे रहे है। ग्राम जोहरिया ने जिगना थाना प्रभारी भूमिका दुबे के समाजसेवी सूरज सिंह यादव के सहयोग से स्वंय भोजन वितरण किया है।

डीएलएड परीक्षा स्थगित

ग्वालियर। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा सत्र 2019-20 की प्रारंभिक शिक्षा में पत्रोपाधि पाठ्यक्रम (डीएलएड) नियमित प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की 2 जून से होने वाली परीक्षा आगामी आदेश तक स्थगित कर दी गई है। कोविड-19 के संक्रमण एवं देशव्यापी लॉकडाउन के कारण उक्त निर्णय लिया गया है।

TOMAR ASSOCIATES
सोलर पेनल लगवाने पर बैंक द्वारा लोन की सुविधा।
सोलर पेनल लगाये और बिजली बिल से छुटकारा पायें। साथ ही पर्यावरण बचायें। सौर्य ऊर्जा लगवाकर म.प्र. सरकार से सब्सीडी पायें।
Bipin Tomar (Bhidosa)
Greennub Exclusive Partner
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करे 9713253992 7828039035

अब सरकार दादा-दादी और नाना-नानी की लेगी परीक्षा

कोरोना संकटकाल में अब सरकार दादा-दादी, नाना-नानी की परीक्षा लेने जा रही है। दरअसल वैश्विक संकट से निबटने के लिए मप्र स्कूल शिक्षा विभाग ने स्टूडेंट्स से पीढ़ियों की जानकारी जुटाने के लिए उनके दादा-दादी, नाना-नानी, माता-पिता और ताऊ-ताई से उनके अनुभव मांगे हैं। अब अभिभावक बताएंगे कि कैसे कोरोना संकट में घर में स्टूडेंट्स को रचनात्मक सीख दी। स्टूडेंट के माता-पिता और पालक अभिभावक के लिए 31 मई से 6 जून तक प्रतियोगिता समय रखा गया है। यह दो पेज में लिख कर बताएंगे, कि कोरोना संकट के लॉकडाउन के समय कैसे बच्चों को शैक्षणिक और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने में सहयोग किया। इसका शीर्षक परवरिश रखा गया है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा लॉकडाउन के दौरान स्कूल बंद होने पर जो डिजिटल कार्यक्रम स्कूली बच्चों के लिए तय किया गया है, उसी कड़ी में यह प्रतियोगिता आयोजित कराई जा रही है। यह रविवार से शुरू हो जाएगी और 20 जून तक चलेगी। इसमें दो अलग-अलग हफ्तों में विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त शीर्षक तय किए गए हैं। जबकि अंतिम सप्ताह में शिक्षक अपने अनुभव लिखकर भेजेंगे। कोरोना संकट से बाहर निकलने के लिए चल रहे संघर्ष के बीच शिवराज सरकार के अधिकारी अब स्टूडेंट्स के माता-पिता, दादा-दादी, नाना-नानी और ताऊ-ताई की परीक्षा लेंगे।

प्रतियोगिता में पालक होंगे शामिल

इस प्रतियोगिता में बच्चों के माता पिता, पालक और अभिभावक शामिल होंगे। इसमें वैश्विक बीमारी के बारे में अनुभव खुद इन्हें लिख कर देने होंगे। स्कूल शिक्षा विभाग ने इसके लिए पांच सप्ताह का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता कार्यक्रम तय किया है।

दो समूहों में होगी प्रतियोगिता

इस कार्यक्रम के लिए स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से एक व्हाट्सएप नंबर भी जारी किया गया है। जिस पर स्कूली छात्रों, उनके माता-पिता नाना-नानी दादा-दादी ताऊ ताई पालक अभिभावक के अलावा शिक्षकों की ओर से भी संबंधित विषयों पर कम से कम दो पेज का अनुभव लिखकर भेजना होगा। इन अनुभवों में से श्रेष्ठ लेखों को राज्य स्तर पर संकलित किया जाएगा। राज्य शिक्षा केंद्र ने इसे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का नाम दिया है। यह प्रतियोगिता दो समूहों में होगी।

पीढ़ियों के ज्ञान का संकलन होगा 30 तक

राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा जो प्रतियोगिता विषय पर किए गए हैं, उसका शीर्षक पीढ़ियों का ज्ञान (धरोहर) रखा गया है। इसमें भी अपने परिवार के विद्यार्थी की ओर से यह लिख कर देंगे, कि कभी कोरोना संकट जैसे अन्य राष्ट्रीय वैश्विक संकट उनके जीवन में आए हैं या नहीं, और आए तो उस समय समाज ने कैसे उसका सामना किया। वे यह भी लिखकर देंगे कि वर्तमान लॉकडाउन में कैसे उन्होंने अपने घर परिवार के विद्यार्थी को अपने अनुभवों की सीख और शैक्षिक प्रोत्साहन दिया है।

TOMAR ASSOCIATES
Deals in
प्रोपर्टी- प्लॉट, मकान, विला, फ्लैट, दुकान
सोलर- शौर्य ऊर्जा, रेसिडेंसियल कॉमरसियल
बायोडीजल- छोटे पम्प, बडे पम्प
विपिन तोमर
(भिडौसा)
अधिक जानकारी के सम्पर्क करे। - 9713253992 E-mail : tomarassociates514@gmail.com
ऑफिस- प्रितराज कॉलोनी दानेबाबा मन्दिर के पास पिन्टो पार्क ग्वालियर

मुंबई में फिलहाल 661 कंटेनमेंट जोन और कुल 1110 सीलबंद इमारते हैं, अब तक राज्य में 33,053 पॉजिटिव केस

महाराष्ट्रः अब कंटेनमेंट के साथ सीलबंद जोन भी होगा ग्रीन में पब्लिक ट्रांसपोर्ट चलेंगे, रेड में निजी दफ्तर बंद

मुंबई ■ एजेंसी

देश में आज से लॉकडाउन का चौथा चरण यानी फेज-4 शुरू हो गया है, जो 31 मई तक चलेगा। देश में कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित मुंबई समेत राज्य में अब कंटेनमेंट जोन के साथ सीलबंद जोन का विकल्प भी शामिल किया गया है। फिलहाल, अभी मुंबई के लिए बीएमसी ने आदेश जारी किए हैं। आज राज्य को लेकर भी सरकार की तरफ से गाइडनलाइन जारी कर दी जाएगी। मुंबई में अभी 661 कंटेनमेंट जोन और कुल 1110 सीलबंद इमारतें हैं।

बाहरी व्यक्तियों का सोसाइटी में प्रवेश वर्जित

ऐसा ही कुछ विकल्प पुणे और अन्य रेड जोन वाले जिलों के लिए रखा गया है। अगर किसी इमारत में कोरोना मरीज पाया जाता है तो पूरे इलाके के बजाय उस इमारत या फिर इमारत के कुछ हिस्से को सीलबंद किया जाएगा। इस नियम में हाउसिंग सोसाइटी को भी शामिल किया जाएगा। सीलबंद सोसाइटी में मेडिकल सुविधा के अलावा किसी भी प्रकार के वस्तु बेचने और अन्य सेवा दे रहे व्यक्तियों को प्रवेश के लिए सख्त मनाही रहेगी।

रेड जोन में 15 जिले और ग्रीन में सिर्फ 5 जिले

लॉकडाउन 4.0 के दौरान महाराष्ट्र के सभी जिलों को तीन जोन में डिवाइड किया गया है। रेड जोन में 15 जिले रखे गए हैं। ऑरेंज जोन में 16 जिले हैं। जबकि ग्रीन जोन में मात्र 5 जिलों को रखा गया है। आज इसका आधिकारिक ऐलान संभव है। महाराष्ट्र सरकार की ओर से जारी निर्देश के मुताबिक ग्रीन जोन में सोशल डिस्टेंसिंग के साथ केंद्र की ओर से लगाए गए प्रतिबंधों के अलावा सभी कामों और सेवाओं को शुरू कर दिया गया है।

रेड जोन में प्राइवेट ऑफिस बंद

ग्रीन जोन में सभी ऑफिस भी शुरू कर दिए गए हैं। इसके अलावा मध्यम और छोटे उद्योग शुरू किए जाने की भी ग्रीन जोन में अनुमति दी गई है। हालांकि, प्रतिबंधित क्षेत्रों और रेड जोन में वैसे ही कड़ाई जारी रहेगी। मुंबई और एमएमआर इलाके, पुणे को छोड़कर बाकी सभी जगहों पर सभी सरकारी और प्राइवेट दफ्तरों को 33% कार्यक्षमता के साथ खोला गया। पुणे और मुंबई में 5% सरकारी कर्मचारी ही दफ्तरों में रहेंगे, जबकि रेड जोन में प्राइवेट ऑफिस नहीं खुलेंगे। सरकार ने रेड जोन में स्थानीय प्रशासन को यह अधिकार दिया कि किस दुकान को खोलें और किसे नहीं।

ग्रीन जोन में 50% क्षमता के साथ शुरू होंगे पब्लिक ट्रांसपोर्ट

केंद्र की ओर से जारी दिशा-निर्देशों में जहां राज्य सरकारों को यातायात की छूट देने की बात कही गई है। वहीं, महाराष्ट्र में एक जिले से दूसरे जिले में जाने पर मनाही जारी रहेगी। यानी ग्रीन जोन से ऑरेंज जोन या ऑरेंज जोन से रेड जोन में कोई भी व्यक्ति नहीं जा सकता। हालांकि, अत्यावश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों के लिए यह प्रतिबंध लागू नही होगा और उन्हें इसमें छूट मिलेगी। ग्रीन जोन में सार्वजनिक बसों और सार्वजनिक ट्रांसपोर्ट को शुरू कर दिया गया है। उन्हें क्षमता से 50 प्रतिशत यात्री ले जाने की ही छूट होगी।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर शराब खरीदने के लिए कतार में लगे लोग। इस दौरान लोगों ने सोशल डिस्टेंसिंग नदारद दिखी।

एक दिन में सबसे ज्यादा 2347 नए पॉजिटिव केस मिले

महाराष्ट्र में सोमवार सुबह तक कोरोना संक्रमण के 33,053 पॉजिटिव केस हो चुके हैं। बीते 24 घंटों के दौरान यहां एक दिन में सबसे ज्यादा 2347 नए केस सामने आए। जबकि 63 मरीजों ने दम तोड़ दिया। इसमें करीब 1600 पॉजिटिव मरीज सिर्फ मुंबई में मिले। मुंबई में अब तक कुल 20150 मरीज हो गए हैं। पूरे राज्य में अब तक कोरोना के 1198 मरीजों की जान गई। राहत की खबर यह है कि राज्य में अब तक कोरोना से ठीक हुए कुल 7688 लोगों को डिस्चार्ज किया गया है। राज्य में 2,73,239 सैम्पल लिए गए थे, जिनमें 2,40,186 निगेटिव पाए गए। मुंबई के धारावी में कोरोना के 44 नए मामले मिले। यहां पर कुल मरीजों की संख्या अब 1242 हो गई है। अब तक धारावी में 56 लोगों की कोरोना से जान जा चुकी है। सरकार ने हाल ही में मुंबई की झुग्गियों में बड़े स्तर पर स्क्रीनिंग कराने का भी फैसला लिया है। संदिग्ध पाए जाने वाले लोगों को क्वारेंटाइन करने का निर्णय भी लिया।

केंद्र नहीं दे रहा रेलवे का 85 प्रतिशत किराया

महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार श्रमिक स्पेशल ट्रेनों में प्रवासी मजदूरों के भाड़े का पूरा खर्च वहन कर रही है। इसके साथ ही उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के उस दावे को खारिज किया कि केंद्र टिकट खर्च का 85% भुगतान कर रहा है। देशमुख ने कहा- मैं वित्त मंत्री के इस दावे के बारे में सुनकर हैरान हूं कि केंद्र प्रवासी मजदूरों के टिकट का 85% वहन कर रहा है। यह तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है।

50 साल के मजदूर की बाइक पर ले जाते समय मौत, दो दिन पहले तबियत बिगड़ने पर अस्पताल में ग्लूकोज चढ़ाकर दे दी गई थी छुट्टी

- महाराष्ट्र में मजदूरी करता था, जो राजस्थान बस से पहुंचा था, जिसमें 30 लोग सवार थे
- सोमवार सुबह व्यक्ति को तेज बुखार के साथ सांस लेने में दिक्कत के बाद हुई मौत

सीकर। जिले के श्रीमाधोपुर के गांव हांसपुरा में एक कोरोना पॉजिटिव 50 साल के व्यक्ति की मौत हो गई। उसे तेज बुखार और सांस लेने में हुई दिक्कत के बाद सोमवार सुबह बाइक पर अस्पताल लाया जा रहा था। श्रीमाधोपुर सीएचसी पहुंचने पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। व्यक्ति डायबिटीज की बीमारी से ग्रसित था। इसके बाद आई जांच रिपोर्ट में व्यक्ति पॉजिटिव पाया गया। इसके बाद पूरे गांव में हड़कंप की स्थिति है। जानकारी अनुसार, 50 साल का व्यक्ति 11 मई को महाराष्ट्र से गांव लौटा था। तबियत खराब होने पर 16 मई व्यक्ति को सीएचसी में भर्ती करवाया गया था। जहां ग्लूकोज चढ़ाकर और दवाई देकर डिस्चार्ज कर दिया गया।

इस दौरान उनके कोरोना सैंपल भी लिए गए। सोमवार सुबह व्यक्ति को तेज बुखार के साथ सांस लेने में दिक्कत हुई। परिजन उसे बाइक पर बैठाकर सीएचसी के लिए रवाना हुए। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। एहतियात के तौर पर मृतक के शव को बॉडी किट में लपेट कर अंतिम संस्कार के लिए भेजा गया। इस दौरान मौजूद परिजनों और मेडिकल टीम को पीपीई किट पहनाकर एंबुलेंस से हांसपुर में सीधे श्मशान घाट के लिए रवाना किया गया। इसी दौरान सैंपल की आई रिपोर्ट में वह कोरोना पॉजिटिव मिला। कस्बे व स्वास्थ्य विभाग में हडकंप की स्थिति बनी। पुलिस प्रशासन और मेडिकल की टीम की मौजूदगी में अंतिम संस्कार किया गया। मृतक के संपर्क में लोगों को आइसोलेट करने और प्रभावित क्षेत्र को सैनिटाइज करने की कवायद शुरू कर दी है।

AMBULANCE
M.9829570768

श्रीमाधोपुर सीएचसी में सैनिटाइजेशन का काम शुरू किया गया।

कोरोना संक्रमण से ठीक होकर लौटे डॉक्टर ने फिर शुरू किया मरीजों का इलाज, लेकिन इस बार बदली रणनीति

मुंबई। कोरोना पॉजिटिव मरीजों के इलाज के दौरान संक्रमित हुये महाराष्ट्र के एक डॉक्टर ने ठीक होने के बाद अपने क्लिनिक में मरीजों का इलाज दोबारा शुरू कर दिया है लेकिन उन्होंने इसके लिये मरीज को 'न छूने' एवं 'न सीधे संपर्क में आने की नीति अपनायी है। इटली से आने वाले एक संक्रमित मरीज के संपर्क में आने के बाद मार्च में डा अब्दुल खलीक भी संक्रमित हो गये थे। उन्होंने बताया कि वह कलीना स्थित अपने क्लिनिक में वापस आ गये हैं जहां वह 50 मरीजों को प्रतिदिन देखते हैं। मरीजों के साथ सामाजिक मेल जोल की दूरी को बनाये रखने के लिये वह पारदर्शी पर्दा अपने क्लिनिक में इस्तेमाल करते हैं। मरीज से बातचीत करने के बाद उसके लक्षण का आलकन कर पर्दे के पीछे से ही वह उसे दवाईयां देते हैं।

अब इलाज के लिए उन्होंने मरीज को 'न छूने' एवं 'न सीधे संपर्क में आने की नीति अपनायी है

इटली से आने वाले एक संक्रमित मरीज के संपर्क में आने के बाद मार्च में डॉ. अब्दुल खलीक भी संक्रमित हो गये थे

50 दिनों से एसएमएस अस्पताल में सेवा में जुटा दंपती, फर्ज अदायगी में सात साल के बच्चे को गांव छोड़ा

जयपुर. प्रदेश में कोरोना संक्रमण के दौरान कोरोना वारियर्स की सेवा और फर्ज की अलग-अलग कहानियां सामने आ रही है कि किस तरह संक्रमण के इस दौर में ये लोग अपनी ड्यूटी का फर्ज निभा रहे हैं। इस बीच ऐसे दंपती भी है, जो कि कोविड वार्ड में ड्यूटी दे रहे है। ऐसे में पिछले काफी दिनों से इनका घर परिवार व बच्चे काफी कुछ पीछे छूट गया है, लेकिन उनका हौसला देखते ही बनता है, क्योंकि उनका मानना है कि यही सेवा और जज्बे का वक्त है। जब हम नर सेवा नारायण सेवा की बात को चरितार्थ कर दिखा सकते है। एसएमएस अस्पताल से ऐसे ही एक कोरोना वारियर दंपति के बारे में, जो कि पिछले करीब 50 दिनों से एसएमएस अस्पताल में सेवाएं दे रहे है। इनमें गांव सांगटेढा, कोटपूतली निवासी अनिल कुमार जाट एसएमएस हॉस्पिटल में सुरक्षा गार्ड है और उनकी पत्नी अंजू चौधरी नर्स है। ये पति पत्नी पिछले 50 दिनों से लगातार प्रदेश के सबसे बडे एसएमएस अस्पताल के चरक भवन और रेडियोथेरेपी विभाग में कोरोना वारियर्स के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

कुंड में डूब रहे भाई को बचाने आई बहन फिर मां भी फिसली, तीनों शवों को बाहर निकाला

बीकानेर की नोखा तहसील के अंखीसर गांव का मामला, पुलिस ने आकर निकाले शव

नोखा ■ एजेंसी

बीकानेर जिले की नोखा तहसील के अणखीसर गांव में स्थित पानी की डिग्गी (छोटा कुंड) में डूबने से मां-बेटा और बेटी की संदिग्ध मौत हो गई। भाई को बचाने के प्रयास में उसकी बहन और दोनों बच्चों को बचाने के प्रयास में मां भी कुंड में डूब गई, जिससे तीनों की मौत हो गई।

एसएचओ अरविंद सिंह शेखावत ने बताया कि अणखीसर के रामधन ने रामेश्वर कुलरिया का खेत बिजाई करने के लिए ले रखा था। सोमवार सुबह वह गांव गया था। उसकी पत्नी गुड्डी (35) चाय बना रही थी। पुत्री मनीषा (8) और पुत्र रामस्वरूप (5) खेत में पेड़ों में पानी दे रहे थे। रामस्वरूप डिग्गी से पानी लेकर आ रहा था, तभी वहां जमा काई में उसका पैर स्लिप हो गया और वह डिग्गी में डूबने लगा। उसकी बहन मनीषा उसे बचाने पहुंची तो वह भी डूबने लगी। बच्चों के चिल्लाने की आवाज सुनकर गुड्डी दौड़कर आई और वह भी बच्चों को निकालने के प्रयास में डूब गई।

दूर खड़े उसके ससुर ने ग्रामीणों को मदद के लिए आवाज लगाई। खेत मालिक सहित ग्रामीण वहां पहुंचे तब तक तीनों की मौत हो गई। सूचना मिलने पर सीओ नेम सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और गांव के मनफूल, पुलिस कांस्टेबल देवाराम, सतीश आदि ने शवों को निकाला। पुलिस ने बागड़ी रेफरल अस्पताल में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विधान परिषद की 9 सीटें रिक्त थी और 9 ही प्रत्याशी थे, ऐसे में सभी उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए थे

उद्धव ने एमएलसी पद की शपथ ली, राज्य में ऐसा पहली बार हुआ जब सीएम पिता, मंत्री पुत्र विस के दोनों सदनों में

मुंबई ■ एजेंसी

निर्विरोध चुने जाने के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सोमवार को विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) के तौर पर शपथ ली। इस दौरान उनकी पत्नी शर्मीला ठाकरे और दोनों बेटे भी विधान भवन में मौजूद रहे। उद्धव के साथ 8 अन्य ने भी एमएलसी की पद और गोपनीयता की शपथ ली। ठाकरे परिवार के उद्धव दूसरे ऐसे सदस्य हैं, जो किसी भी चुनावी राजनीति में चुने गए हैं। इससे पहले उनके बेटे आदित्य ठाकरे वर्ली सीट से विधायक के रूप में निर्वाचित हुए थे। आदित्य राज्य के पर्यटन मंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

बताया जा रहा है कि महाराष्ट्र के इतिहास में यह पहली बार है, जब एक मुख्यमंत्री पिता और मंत्री पुत्र विधानसभा के दोनों सदनों में निर्वाचित हुए हैं। उद्धव के शपथ लेने के साथ ही महाराष्ट्र में सीएम की कुर्सी पर मंडरा रहा सियासी संकट भी खत्म हो गया। दरअसल, उद्धव ठाकरे ने 28 नवंबर को राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। संविधान के प्रावधानों के मुताबिक, 6 महीने के अंदर उन्हें विधानसभा या विधान परिषद दोनों में से किसी एक सदन का सदस्य चुना जाना जरूरी हो गया था। यह समय सीमा 27 मई को खत्म हो रही थी।

उद्धव के निर्वाचन में कांग्रेस का बड़ा योगदान

उद्धव के विधान परिषद के लिए निर्विरोध निर्वाचन में कांग्रेस की अहम भूमिका रही है, क्योंकि कांग्रेस ने पहले दो प्रत्याशी उतारने की बात कही थी। हालांकि, बाद में कांग्रेस ने एक ही प्रत्याशी मैदान में उतारा। ऐसे में चुनाव मैदान में 9 ही सदस्य थे और 9 सीटें खाली थी। इसलिए चुनाव की जरूरत नहीं पड़ी। विधान परिषद की 9 सीटों के लिए कांग्रेस ने 1, भाजपा ने 4, राकांपा ने 2, शिवसेना ने 2 प्रत्याशी उतारे थे।

इन 9 लोगों ने ली शपथ

भाजपा: रमेश कराड, गोपीचंद पडलकर, प्रवीण दटके और रणजीत सिंह मोहिते पाटिल।
राकांपा : शशिकांत शिंदे और अमोल मिटकरी।
शिवसेना : मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और नीलम गोर्हे।
कांग्रेस : राजेश राठौर।

सहायता — पलायन कर यूपी लौट रहे प्रवासी मजदूरों के लिए बसें चलाना चाहती है कांग्रेस

एक हजार बस चलाने की प्रियंका की पेशकश को योगी सरकार ने किया स्वीकार, कहा- बसों के ड्राइवर, कंडक्टर की लिस्ट दें

लखनऊ ■ एजेंसी

लॉकडाउन के बीच दूसरे राज्यों से पलायन कर लौट रहे प्रवासी श्रमिकों के लिए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी द्वारा एक हजार बस चलाने की पेशकश को योगी सरकार ने स्वीकार लिया है।

प्रियंका गांधी ने 16 मई को पत्र लिखा था। सोमवार को अपर मुख्य सचिव अवनीश अवस्थी ने पत्र जारी कर प्रियंका की पेशकश को स्वीकार करने की जानकारी दी। यह भी कहा- बसों की सूची, ड्राइवर-कंडक्टर के नाम और अन्य विवरण उपलब्ध कराएं, जिससे बसों का उपयोग प्रवासी श्रमिकों की सेवा में किया जा सके। सरकार से स्वीकृति मिलने के बाद प्रियंका ने ट्वीट करके धन्यवाद कहा। रविवार को मथुरा जिले में राजस्थान बॉर्डर पर कांग्रेस की ओर से 500 बसें खड़ी कर दी गई थीं। यहां यूपी कांग्रेस के सह-प्रभारी जुबेर बेग और पूर्व विधायक प्रदीप माथुर बसों के साथ मौजूद थे। सभी ने मथुरा पुलिस और शासन से इन बसों को यूपी में प्रवासी श्रमिकों के लिए चलाने की अनुमति मांगी थी। लेकिन, प्रशासन ने उन्हें प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी थी।

सीएम कार्यालय के प्रियंका से सवाल

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कार्यालय की तरफ से प्रियंका गांधी पर प्रवासी श्रमिकों की मददगार बनने का स्वांग रचने का आरोप लगाया है। मजदूरों की तरफ से प्रियंका से सवाल पूछा गया- प्रियंका गांधी कहती हैं कि उनके पास 1000 बसें हैं। यह और बात है कि अब तक इन बसों की सूची तक उपलब्ध नहीं कराई गई। बसों और हमारे साथियों की सूची उपलब्ध करा दी जाए, जिससे उनके कार्य ट्विटर नहीं धरातल पर दिखें। वहीं, देशभर में जितनी भी श्रमिक स्पेशल ट्रेनें चल रही है, उनमें से आधी से ज्यादा ट्रेनें उत्तर प्रदेश ही आई है। अगर प्रियंका वाड्रा को हमारी इतनी ही चिंता है तो वो हमारे बाकी साथियों को भी ट्रेनों से ही सुरक्षित भेजने का इंतजाम कांग्रेस शासित राज्यों से क्यों नहीं करा रहीं? प्रियंका ने कहा था कि मजदूरों को घर भिजवाने के लिए कोरी घोषणाएं और ओछी राजनीति से काम नहीं चलेगा। ज्यादा ट्रेनें चलाइए, बसें चलाइए। हमने 1000 बसों की परमिशन मांगी है हमें सेवा करने दीजिए।

प्रियंका ने ट्वीट करके सरकार को घेरा था

प्रियंका गांधी ने ट्वीट करके कहा था- हजारों श्रमिक, प्रवासी भाई-बहन बिना खाए पीये, पैदल दुनिया भर की मुसीबतों को उठाते हुए अपने घरों की ओर चल रहे हैं। यूपी के हर बॉर्डर पर बहुत मजदूर मौजूद हैं। वो धूप में पैदल चल रहे हैं, आज वो घंटों खड़े रखे जा रहे हैं। उन्हें अंदर आने नहीं दिया जा रहा। उनके पास पिछले 50 दिनों से कोई काम नहीं है। जीविका ठप पड़ी है। हम जो भी योजनाएं बना रहे हैं, उनमें उनके लिए कुछ सोचा ही नहीं जा रहा।

अमेरिकी कंपनियों को चीन से वापस लाने के लिए कांग्रेस में विधेयक पेश

वॉशिंगटन। अमेरिकी कंपनियों को अपने मैन्युफैक्चरिंग यूनिट चीन से वापस अपने देश लाने में मदद के लिए एक प्रभावशाली सांसद ने कांग्रेस में एक विधेयक पेश किया है। माना जा रहा है कि कोरोना वायरस महामारी के चलते आने वाले दिनों में बड़ी संख्या में अमेरिकी कंपनियां चीन से बाहर निकलेंगी। अमेरिकी सांसद मार्क ग्रीन द्वारा पेश किए गए विधेयक द ब्रिंग अमेरिकन कंपनी होम एक्ट में इन कंपनियों को वापस लागने की पूरी लागत और चीन आयात पर लगने वाले आयात शुल्क को कवर करने के लिए कहा गया है। ग्रीन ने कहा, हमारी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए अमेरिका में निवेश आकर्षित करना जरूरी है। लेकिन अमेरिकी कंपनियों के लिए अपने देश आने में एक सबसे बड़ी बाधा लागत है। कई कंपनियों के लिए ये बहुत खर्चीला और जोखिम भरा है, खासतौर से वैश्विक आर्थिक अनिश्चिता के दौर में। उन्होंने कहा, चीन ने साफ कर दिया है कि वह भरोसेमंद साझेदार नहीं है।

कोरोना कहर के बीच चीन की लैब का दावा- बिना वैक्सीन के भी यह नई दवा रोक सकती है कोविड-19 महामारी

बीजिंग। चीन से फैले कोरोना वायरस ने पूरी दुनिया में तबाही मचा रखी है। अब तक लाखों लोग इससे अपनी जान गंवा चुके हैं, मगर अब तक न तो इसकी वैक्सीन सामने आई है और न कोई इलाज। मगर इस बीच चीन के वैज्ञानिकों का दावा है कि उन्होंने ऐसी एक नई दवा बनाई है जिससे कोरोना वायरस को खत्म किया जा सकता है। चीन की एक प्रयोगशाला में एक दवा विकसित की जा रही है। लैब का मानना है कि इस दवा में कोरोना वायरस महामारी को रोकने की क्षमता है। समाचार एजेंसी एएफपी के मुताबिक, चीन की प्रतिष्ठित पेकिंग यूनिवर्सिटी में वैज्ञानिकों द्वारा इस दवा का परीक्षण किया जा रहा है।

कोविड-19 के कारण मप्र की अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो गई हैः शिवराज

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कोविड-19 के कारण प्रदेश की अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो गई है लेकिन राज्य सरकार ने जरूरतमंदों की सहायता के लिए 16,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि उनके खातों में डाली है। चौहान ने सोमवार रात दूरदर्शन के माध्यम से प्रदेश की जनता को संबोधित करते हुए कहा, कोरोना वायरस के कारण जब प्रदेश की अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो गई, तब हमने गरीबों, मजदूरों, किसानों, बच्चों, माताओं, बहनों आदि की सहायता के लिए 16,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि उनके खातों में डाली है, जिससे समाज के किसी भी वर्ग को दिक्कत एवं तकलीफ न होने पाए। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोरोना वायरस संकट से ध्वस्त अर्थव्यवस्था को पुनः खड़ा करने के लिए विभिन्न आर्थिक पैकेज दिए हैं। हम इन्हें आदर्श रूप से जमीन पर उतारेंगे। चौहान ने कहा, प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत का मंत्र दिया है, हम उस पर चलकर मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनाएंगे। इसके लिए खाका तैयार किया जा रहा है तथा उसे शीघ्र ही आपके समक्ष रखा जाएगा। सब मिलकर मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लें। हमें अभी कुछ समय और कोविड-19 के साथ जीना है तथा अपनी अर्थव्यवस्था को भी गति देना है। चौहान ने कहा, हमें पूरी सावधानी के साथ एवं संतुलित रूप से चलना होगा जिससे कोरोना वायरस संक्रमण फैले नहीं और जिन्दगी भी रफ्तार पकड़े। काम कठिन है परंतु हमारा हौसला बुलंद है। प्रदेश सरकार द्वारा जनता के हित में उठाए गए कदमों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, हमारे प्रवासी मजूदर भाई-बहन बिल्कुल भी चिंता न करें। सभी को बसों एवं ट्रेनों के माध्यम से उनके घर तक पहुंचाया जा रहा है। इस काम के लिए 91 से अधिक ट्रेन तथा हजारों बस लगाई गई हैं। साथ ही प्रदेश के एक जिले से दूसरे जिले तक भी मजदूरों को पहुंचाया जा रहा है। चौहान ने कहा, जिन मजदूर भाईयों के पास राशन कार्ड नहीं है, उन्हें भी निःशुल्क राशन दिया जा रहा है। जो कार्य करना चाहते हैं तथा जिनके पास जॉब कार्ड नहीं है, पंचायतों के माध्यम से उनका जॉब कार्ड बनवाकर उन्हें काम दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार ने निर्णय लिया है कि ये संबल योजना के भी पात्र होंगे। संबल योजना गरीब का सुरक्षा कवच है जो उनकी हर आवश्यकता की पूर्ति करता है। चौहान ने कहा कि प्रदेश में गेहूं उपार्जन के अंतर्गत अभी तक 90 लाख टन से अधिक गेहूं समर्थन मूल्य पर खरीदा गया है तथा किसानों को 10,000 करोड़ रुपए से अधिक का भुगतान भी किया जा चुका है। उन्होंने कहा, किसान भाई बिल्कुल चिंता न करें हम उनका एक-एक दाना खरीदेंगे। किसान भाई एसएमएस मिलने पर ही अपनी उपज बेचने उपार्जन केन्द्र पर आएं तथा एक-दूसरे से दो गज की दूरी रखें एवं सभी सुरक्षा उपाय अपनाएं।

संपादकीय

साथ-साथ चलेगा कोरोना

लॉकडाउन के तीन चरण पूरे कर लेने के बाद देश इसके चौथे चरण के लिए कमर कस रहा है। कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई तमाम मोर्चों पर पूरी शिद्दत के साथ जारी है। भारत में संक्रमण का पता लगाने के लिए किए गए टेस्ट्स की संख्या 20 लाख को पार कर गई है। संसाधनों की सीमा को देखते हुए माना जा रहा था कि यह लक्ष्य मई के अंत तक ही हासिल हो पाएगा। मगर सरकारी और गैर-सरकारी लैब्स में कोरोना वॉरियर्स के दिन-रात लगे रहने का परिणाम है कि यह टारगेट दो सप्ताह पहले ही हासिल कर लिया गया। हमारे यहां कोरोना से होने वाली मौतों की संख्या अमेरिका और यूरोप से काफी कम है, लेकिन संक्रमण फैलने की गति लगभग वैसी ही है। कुल संक्रमितों की संख्या के मामले में भारत ने चीन को पीछे छोड़ दिया है। चीन हमारा पड़ोसी देश है और उसके साथ भारत की तुलना बात-बात पर होती है, लेकिन महामारी से निपटने के दोनों देशों के तरीके बिल्कुल अलग रहे हैं। चीन में इस वायरस का प्रकोप मुख्यतः उसके एक शहर वूहान तक सीमित रहा मगर भारत में इसकी शुरुआत पूरे देश के पैमाने पर हुई। यूरोपीय देशों में इससे संक्रमित बिना लक्षणों वाले मरीज भारत के अलग-अलग शहरों में तब आए जब वहां भी इसे ज्यादा गंभीरता से नहीं लिया जा रहा था। भारतीय हवाई अड्डों पर सिर्फ बुखार नापकर उन्हें आगे जाने दिया गया। नतीजा यह कि रोक-छेंक शुरू होने से पहले ही बीमारी देश के हर हिस्से में फैल चुकी थी। याद रहे, शुरू से ही खतरनाक माने जाने के बावजूद इस वायरस को लेकर सरकारों और जनसमूहों का रुख बदलता रहा। हर देश के जिम्मेदार लोग पहले डिनायल मोड में गए। भारत में तो यह वायरस आ ही नहीं आ सकता, आ भी गया तो मई में पारा 40 डिग्री लांघते ही जुकाम के वायरस की तरह टें बोल जाएगा। यह भी कि हमारे देसी नुस्खे इसकी बैंड बजा देने के लिए काफी हैं। जब यह बीमारी इटली में तबाही मचा रही थी, तब भी एक दिन के जनता कर्फ्यू के दौरान लोग इस बात को लेकर आश्वस्त दिखे कि इस मास्टरस्ट्रोक से कोरोना का इंसानी संपर्क टूट जाएगा और उसका खेल खत्म हो जाएगा! ऐसी गलतफहमियां बीमारी के बढ़ाव के साथ ध्वस्त होती गईं। और अब, तमाम देशों द्वारा अपनी सीमाएं सील करने, एक-दूसरे से हवाई संपर्क तोड़ने और तमाम आर्थिक गतिविधियां रोक देने, शारीरिक दूरी और लॉकडाउन का रास्ता अपनाने तथा करोड़ों लोगों को भुखमरी की जद में ला देने का लंबा दौर गुजर जाने के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन बता रहा है कि कोरोना वायरस निकट भविष्य में विदा हो जाने वाली चीज नहीं।

जोखिम झेलते प्रवासी मजदूर

शरद यादव

पूर्णबंदी की घोषणा के समय ही प्रवासी कामगारों को उनके कार्यस्थल पर ही रोकने की पर्याप्त व्यवस्था की जानी चाहिए थी और सरकार को यह जिम्मेदारी नियोक्ता पर डालनी चाहिए थी। इसके एवज में सरकार इन प्रतिष्ठानों को मुआवजा देने का एलान करती। कारोबारी संस्थान संभावित हानि के खतरे से परे हट कर अपने श्रमिकों की देखभाल करते। कोरोना संकट को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की चेतावनी के बावजूद भारत सरकार कोविड-19 से लड़ने के लिए तैयार नहीं थी, जबकि इस घातक विषाणु का प्रकोप दिसंबर 2019 में चीन, दक्षिण कोरिया, जापान, थाईलैंड और सिंगापुर में भी दिखने लगा था और ये देश इससे निपटने के लिए कमर कस चुके थे। भारत में पहला मामला 30 जनवरी, 2020 को केरल में आया था।

इस राज्य को शाबाशी इसलिए दी जानी चाहिए कि अब तक वहां पर केवल पांच सौ बीस मामले आए हैं और सिर्फ तीन मौतें हुई हैं, जबकि पूरे देश में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा नब्बे हजार के आसपास पहुंच चुका है। बहुत ही विलंब के बाद 24 मार्च, 2020 को प्रधानमंत्री ने बिना किसी पूर्व तैयारी के अचानक पूर्णबंदी की घोषणा कर दी। यहीं से भारत की कोरोना के खिलाफ जंग की शुरूआत हुई थी। इसके पहले, हवाई अड्डों पर जांच से लेकर एकांतवास जैसे तमाम इंतजाम आज की स्थितियों को देखते हुए कोरी कवायद ही साबित हुए। पूर्णबंदी का सीधा प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था और विकास की गाड़ी का दूसरा पहिया माने जाने वाले कामगारों की जिंदगी पर पड़ा। पूर्णबंदी की घोषणा के समय ही प्रवासी कामगारों को उनके कार्यस्थल पर ही रोकने की पर्याप्त व्यवस्था की जानी चाहिए थी और सरकार को यह जिम्मेदारी नियोक्ता पर डालनी चाहिए थी। इसके एवज में सरकार इन प्रतिष्ठानों को मुआवजा देने का एलान करती। कारोबारी संस्थान संभावित हानि के खतरे से परे हट कर अपने श्रमिकों की देखभाल करते।

इससे मजदूर अपने घरों को पैदल ही लौटने के लिए मजबूर नहीं होते और भविष्य में स्थिति सामान्य होने पर उनका रोजगार सुरक्षित रहने की भी गारंटी रहती। मगर चूंकि सरकार के निर्णयों में भ्रम की स्थिति थी, इसलिए प्रवासी मजदूर अपने घरों को निकल लिए और पलायन का यह सिलसिला अभी तक नहीं थमा है। इसके गंभीर नतीजे आज हमारे सामने हैं। कई लोग रेल की पटरियों पर चल रहे हैं, क्योंकि सड़कों पर पुलिस का पहरा है और हजारों की संख्या में ट्रकों में लद कर जा रहे हैं। इनमें से कई सड़क हादसों के शिकार भी हो गए। ऐसी स्थिति एनडीए शासित राज्यों में ज्यादा देखने को मिली है।

निराश्रित गरीबों के संबंध में राज्य सरकारों को पूर्णबंदी के दौरान निर्धारित सुरक्षा बंदोबस्त के साथ रहने की व्यवस्था भी करनी चाहिए थी। इन सभी बातों का एलान पूर्णबंदी लागू करते वक्त ही हो जाता तो न इतना भ्रम फैलता और न ही अफरातफरी मचती। इसी प्रकार छात्रों को भी संबंधित राज्य सरकारों द्वारा बसों से घर भेजने की अनुमति केंद्र सरकार को पहले ही दे देनी चाहिए थी, जिससे कि बच्चों को इतने दिनों तक संक्रमण के खतरे के बीच नहीं रहना पड़ता। ये सब घटनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि सरकार को स्थिति की गंभीरता का अंदाजा ही नहीं था। न ही सरकारी अमला यह अनुमान लगा पाया कि यह स्थिति कितने समय तक बरकरार रह सकती है। खैर, देर आए दुरुस्त आए कि सरकार ने विशेष ट्रेनें शुरू करने का फैसला लिया, मगर उसमें भी भ्रम की स्थिति रही कि कौन टिकट का पैसा देगा और इसकी वजह से हजारों मजदूर अपने छोटे बच्चों को लेकर पैदल, साइकिल या रिक्शे से निकल पड़े और रास्तों में जो उन सभी को देखना पड़ा, वह सारे देश ने देखा। सबसे दुख की बात तो यह कि हमारे देश की गरीबी और लाचारी को पूरी दुनिया ने देखा होगा। सवाल यह है कि अब इन श्रमिकों की वापसी कैसे होगी। ये हमारी अर्थव्यवस्था के इंजन हैं, इसलिए बिना इनके लौटे उद्योग-धंधे कैसे चलेंगे, यह गंभीर प्रश्न है। अब बात कोरोना संकट के कारण पड़ने वाले आर्थिक प्रभावों की। यह जगजाहिर है कि देश की अर्थव्यवस्था अब लगभग ठप है। इसे फिर से शुरू करना, अब समय की मांग है। इसके लिए बेहतर होता कि भारत सरकार शुरू में ही यह घोषणा कर देती कि इस पूर्णबंदी के दौरान उद्योग-धंधों, कर्मचारियों और मजदूरों आदि को जो भी नुकसान होगा, उसकी भरपाई सरकार करेगी। कुछ समय के पश्चात स्थिति को समझते हुए आर्थिक पैकेज की घोषणा हो जाती। इससे होता कि यह प्रवासी मजदूर अपने घरों को निकलते भी नहीं और जो अभी व्यापारी वर्ग चिंता में घर पर बैठा है और सोच रहा कि आगे कैसे काम चलेगा, वह भी उत्साहित रहता। देश में जो हालत चल रहे हैं उनका बयान शब्दों में किया नहीं जा सकता है। आज बड़े पैमाने पर बाजार में पैसा लगाने की जरूरत है। इसके लिए सबसे पहले प्रवासी श्रमिकों सहित सभी गरीब लोगों का पुनर्वास सुनिश्चित किया जाना जरूरी होगा।

आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने भी इस बात का उल्लेख किया है कि सरकार पैंसठ हजार करोड़ रुपए गरीब लोगों के कल्याण के लिए निकाल सकती है, जो हमारी दो सौ लाख करोड़ रुपए की जीडीपी वाली अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी रकम नहीं है। अब आर्थिक पैकेज का एलान हो चुका है और वितमंत्री ने टुकड़ों में इसका ब्योरा दिया है। इस आर्थिक पैकेज के बारे में कुछ अर्थशास्त्रियों का कहना है कि इस बीस लाख करोड़ रुपए में से सरकार ग्यारह लाख करोड़ रुपए पहले ही घोषित कर चुकी है। घोषित हो चुका पहला पैकेज पंद्रह हजार करोड़ और दूसरा एक लाख सत्तर हजार करोड़ का था। इसके अलावा रिजर्व बैंक ने बाजार में तरलता बढ़ाने के लिए बैंकों को आठ लाख करोड़ पहले ही दे दिए थे।

म्युचुअल फंड उद्योग को संकट से उबारने के लिए भी केंद्रीय बैंक पचास हजार करोड़ का पैकेज पहले दे चुका है। निर्माण मजदूरों के लिए गठित कल्याण कोष और जिला योजना का कुछ हिस्सा इस पैकेज में पहले ही जोड़ा जा चुका है। बीस लाख करोड़ के पैकेज का मतलब जीडीपी का दस फीसद और देश के सालाना तीस लाख करोड़ रुपए के बजट का करीब पचहत्तर फीसद है। यदि इतना सरकार निकाल सकती है तो अर्थव्यवस्था को चलने में देर नहीं लगेगी।

मगर दुर्भाग्यपूर्ण ऐसा नहीं है जैसा कि कई विशेषज्ञ बता रहे हैं कि यह केवल जीडीपी का ढाई फीसद आखिर में दिखाई देगा। वितमंत्री को ऐसे पैकेज की घोषणा करनी चाहिए जो कि एक मजदूर को और एक साधारण व्यक्ति को भी समझ में आए कि उसको क्या मिलने वाला है। पैकेज में सीधा-सीधा यह बताना चाहिए कि जो पूर्णबंदी में कारोबारियों मतलब छोटी-बड़ी फैक्ट्री वाले, दुकानदार, शोरूम आदि कुछ भी कारोबार करने वाले जिनका अर्थव्यवस्था में योगदान होता है, किसानों, कर्मचारियों, मजदूरों आदि सभी वर्गों के बारे में अलग बताना चाहिए कि उनकी भरपाई किस तरह से की जा रही है।

अब पूर्णबंदी को सुरक्षा नियमों के साथ समाप्त करना चाहिए ताकि कुछ आर्थिक गतिविधियां फिर से शुरू हो सकें। सरकार को पूर्णबंदी को उठाने का विचार तीन मई को ही करना चाहिए था। पूर्णबंदी के चलते भी जिन शहरों में संक्रमण बढ़ना था, वह बढ़ ही गया है। समय की मांग है कि संक्रमित लोगों के परीक्षण का दायरा बढ़ा कर और सुरक्षित दूरी और बीमारी के इलाज के साथ पूर्णबंदी को जल्द से जल्द उठाया जाना चाहिए। इस बीमारी के लिए जब तक कोई दवा या टीका नहीं खोज लिया जाता तब तक हमें अपनी प्रतिरोधक क्षमता का ध्यान रखते हुए इसके साथ जीवन यापन करना पड़ेगा।

कविता-रक्त बीज कोरोना

कोरोना आज रक्तबीज-सा रूप
धर आया
एक से अनेक को संक्रमित
कराया
जाने कैसे ये रक्त का बहाव रुके
उपाय ढूंढ़-ढूंढ़ तो महाबली बन
डॉक्टर थक चुके
अब कैसे लड़ें भारत मां के बेटे इन अकाल प्रहारों से
आज गूंज रहा विश्व पूरा अपनों की ही कराहों से
बनते-बनते काम यहां बिगड़ रहा
फलते-फलते देख मां देश का खेत उजड़ रहा
शुंभ-निशुंभ बन चीन और इटली आ गए
तेरे आंचल की बगिया के न जाने कितने फूल मुरझा गए
मास्क लगाकर अब निकलना है
दूर से ही अपनों से मिलना है
एक दूजे को हम न स्पर्श करें
इस आक्रमण के जाल में आने से बचें
कब तक होगा यहां पाप
अब तो मां रक्षा करो न आप
मोदी जी के प्रयासों को सफल तुम कर दो
झोली हम सबकी अपने आशीष से भर दो
हे मां आज फिर तुम आओ न
इस रक्त बीज कोरोना का संहार कर जाओ न(2)।।

सौम्या अग्रवाल
अंबाला छावनी हरियाणा

कविता - इन्तेजार

तस्वीरो ने संजोयी है , बहुत सी आवाजे अपने अंदर,
लेकिन हकीकत ने आज मौन का कफन ओढ़ रखा है।
आँगन जो लीपा जाता था , प्यार की मिट्टी से कभी,
झूठे,दिखावटी संगमरमर के पत्थरों से ढक रखा है।
शाम की चाय की भीनी खुशबू आज भी वैसी ही है,
लेकिन अब सगे भाइयो ने घर को बाट रखा है।
ना जाने क्या पाने की चाहत है आजकल इंसानो को,
सुबह से शाम तक सभी ने भाग-दौड़ मचा रखा है।
बूढ़ी हो गई आँखे आज भी रहती है बच्चो के इन्तेजार में,
पर बच्चों ने घर के अंदर अपना अलग घर बना रखा है।।

नीरज त्यागी
ग़ाज़ियाबाद (उत्तर प्रदेश).
मोबाइल 09582488698

लॉकडाउन का विस्तार

महाराष्ट्र, तमिलनाडु व पंजाब जैसे महत्वपूर्ण राज्यों ने जब अपने यहां लॉकडाउन को 31 मई तक के लिए बढ़ा दिया, तब केंद्र सरकार के लिए लॉकडाउन बढ़ाने की घोषणा लगभग औपचारिकत रह गई थी। कुल मिलाकर, इन दिनों कोरोना संक्रमण ने जो रफ्तार पकड़ रखी है, उससे सरकारों की चिंता का बढ़ना स्वाभाविक ही नहीं, अपरिहार्य भी है। जब देश में तीन-चार हजार लोग रोज संक्रमित पाए जा रहे हैं और संक्रमण को थामने की कोशिशें नाकाम हो रही हैं, तब लॉकडाउन को खोलकर जगह-जगह भीड़ बढ़ाकर संक्रमण बढ़ाने का जोखिम कतई नहीं उठाया जा सकता। सरकार ने 'जान है, तो जहान है' के सिद्धांत को तवज्जो दी है, तो कोई आश्चर्य नहीं। सरकार का मानना है कि अभी स्थिति कुछ काबू में है, पर अगर लॉकडाउन खोल दिया गया, तो स्थिति विकट हो सकती है। वैसे यह अनुमान पहले से था कि लॉकडाउन-4 की घोषणा हो सकती है। आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, गुजरात और दिल्ली जैसे राज्यों ने प्रधानमंत्री के साथ बैठक में लॉकडाउन खोलने की वकालत की थी और केवल कंटेनमेंट जोन में ही लॉकडाउन रखने की सलाह दी थी। खासकर दिल्ली सरकार की जनमत आधारित सलाह पर खूब चर्चा चल रही थी, पर उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा जैसे राज्यों की चिंता गहरी है, जहां मजदूरों का लौटना थमा नहीं है और मरीजों की संख्या बढ़ रही है। देश की एक चौथाई से भी ज्यादा आबादी रखने वाले ये प्रांत लॉकडाउन के पक्ष में थे और केंद्र ने इन राज्यों की परवाह की है। पूर्वोत्तर के प्रदेशों में असम ने लॉकडाउन बढ़ाने का पक्ष लिया था। आज पूरी दुनिया में लॉकडाउन और ग्रेट री-ओपनिंग की चर्चा चल रही है। दुनिया के सामने दो तरह के मॉडल हैं- एक लॉकडाउन का, जिसे कड़ाई से सफल बनाकर चीन ने कोविड-19 को काबू में किया है, वहीं दूसरी ओर दक्षिण कोरिया का मॉडल है, जहां केवल कंटेनमेंट जोन में लॉकडाउन रखकर आर्थिक गतिविधियों को नहीं रोका गया है।

देश सेवा

अब कुछ बात उनकी भी करते है
जो सदैव मुकम्मल हैं हमारे साथ
अब कुछ बात उनकी भी करते है
जो अस्पतालों में कर रहे हमारी सेवा
नमन है ऐसे जज्बातों को
जो इस मायूसी में भी
उम्मीद की एक किरण बने हुए हैं
भूलकर अपना परिवार
निष्पक्ष निश्छल भाव से कर रहे सेवा
किसी की बेटी विलख रही है
अपने पिता के गले लगने को
तो किसी का बेटा रो रहा है
मां के आंचल में छिपने को
किसी की मां सिसकियाँ भर रही
अपने पुत्र को गले लगाने को
तो किसी की पत्नी इन्तजार कर रही
कि एक बार समेट लूं तुम्हें अपनी बाहों में
पर वो सब भूलकर लगे है हमारी सेवा में
अब कुछ बात उनकी भी करते है
जो सडक चौराहे पर है तैनात
अपनी भूख प्यास का खयाल न करते हुए
कडी धूप में भी तत्पर है
उठाया हुआ है जनता की सेवा का जिम्मा
हमारी रक्षा के लिए
हाथ जोड़कर हमारी ही
जान के लिए हमसे
करते हैं विनती दिन रात
न निकलो तुम बाहर
बस इतनी ही करते वो दरख्वास्त
अब कुछ बात उनकी भी करते हैं
जो सदैव मुकम्मल हैं हमारे साथ।

पारुल गुप्ता
आलमपुर,भिण्ड मप्र

कोरोना-लॉकडाउन के दिन

अपनों को खोने का डर
मैंने जाना इन्हीं दिनों में
अपना ध्यान रखना अक्सर हम कहते रहे
इसी बात को बार-बार दोहराना
मैंने जाना इन्हीं दिनों में
हर सुख-दुख के समय में अपनों को अब तक हम बुलाते रहे
आज जूम , व्हाट्सएप पर ही मिलना और बतियाना
मैंने जाना इन्हीं दिनों में
मनमर्जी से इधर उधर अब तक सैर सपाटे करते रहे
बिन मर्जी के घर पर समय बिताना
मैंने जाना इन्हीं दिनों में
थोड़ी देर टहल आओ अच्छा लगेगा अपने बड़ों को अब तक हम कहते रहे
आज घर बैठने के लिए बुझे मन से उनको मनाना
मैंने जाना इन्हीं दिनों में
काम की व्यस्तताओं में अपनों संग कम वक्त बिताते रहे
आज वक्त तो मिल गया पर चर्चा में हर पल कोरोना
मैंने जाना इन्हीं दिनों में
एकजुट होकर बुरे समय में हम भारतीय साथ निभाते रहे
आज दूरी बनाकर भी साथ निभाना
मैंने जाना इन्हीं दिनों में
विदेशों से कोरोना आना
महामारी बन चारों दिशाओं में हाहाकार मचाना
मैंने जाना इन्हीं दिनों में
शंख घड़ियाल ढोल बजाना , नवदीप जलाना
अपनी सभ्यता-संस्कृति, आयुर्वेदा को दिल से अपनाना
मैंने जाना इन्हीं दिनों में
हर डॉक्टर को अब तक भगवान का दर्जा हम देते रहे
आज हॉस्पिटल के हर कर्मी का वीर सिपाही का दर्जा पाना
मैंने जाना इन्हीं दिनों में
अपनों को खोने का डर
मैंने जाना इन्हीं दिनों में।।

डॉक्टर शिवा अग्रवाल
अंबाला छावनी हरियाणा

परिश्रम

परिश्रम है सफलता की कुंजी,
हमको आगे यह ले जाती।
जब हम भटकें राह से अपनी,
और आलस्य में पड़ जाएं,
परिश्रम ही वह औषधि है,
जो वापस हमको चुस्त बनाये,
भूले भटके लोगों को भी,
यह वापस पथ पर ले आती,
परिश्रम है सफलता की कुंजी,
हमको आगे यह ले जाती ।
परिश्रम का जो विकल्प ढूँढते,
वे अक्सर पीछे रह जाते,
जो सदा-सर्वदा मेहनत करते,
निश्चित ही अपनी मंज़िल पाते,
परिश्रम करने वालों को ,
कभी हार ना मिल पाती,
परिश्रम है सफलता की कुंजी,
हमको आगे यह ले जाती।

प्रियंका कटारे प्रिराज
ग्वालियर मप्र

हादसे का शिकार होते मजदूर

डॉ. नाजपरवीन

कोरोना महामारी ने निःसंदेह सबसे ज्यादा मजदूरों पर कहर बरपाया है। सडक हादसों के शिकार होते मजदूरों की तस्वीर मानवता को झकझोरने वाली है। दूसरे प्रदेशों से आ रहे मजदूरों के पांव के छाले, कमर से चिपके पेट, मायूस चेहरा उनकी तंगहाली का बयान करने के लिए काफी हैं।

चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है, कि कोरोना से जंग में पौष्टिक आहार की मौजूदगी बीमारी से जीत हासिल करने में मददगार होगी। कोरोना संकट में जिन गरीब मजदूरों को दो जून खाना जुटाना मुश्किल हो रहा है, पौष्टिक खाना जैसे शब्द ही बेमायने लगते हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों से कामगारों की तस्वीर संकट को गहराने वाली दिखाई दे रही हैं। समाज की अन्तिम पंक्ति का कामगार भूखा, बेबस और बेहाल है। उसके दिलो-दिमाग में कोरोना का खौफ कम और भूख से न लड पाने का डर ज्यादा है, इसलिए अपने गांव-घरों में पहुंचने की जददोजहद से गुजर रहा है। इतिहास के पन्नों की उलट-फेर बताती है, कि हमसे पहले के लोगों ने संकट में घास की रोटियां खाई थी, पेट में पत्थर बांध मीलों चले थे। आज भी कुछ ऐसी खबरें देखने-सुनने को मिल रहीं हैं, कहीं मां अपने बच्चों का दिल बहलाने के लिए पत्थर उबाल कर खिलाने के प्रयास में है, तो कहीं गोरखपुर के कुछ पैदल मजदूर अपनी पेट की आग बुझाने के लिए चावल पानी में भिगोकर खाते हुए नजर आये क्योंकि किसी के पास राशन नहीं है, तो किसी के पास चूल्हा नहीं है। गरीबी की भयावह तस्वीरें आत्मा को झकझोर रही है। यू. एन. ने चेताया है, कि यदि कोरोना संकट ऐसी ही बरकरार रहा तो आने वाले दिनों में विश्व में तीन महीने तक रोज तीन लाख लोग मरेंगे। विश्व के 36 देशों में अकाल देखने को मिल सकता है। मजदूरों का डर कोरोना से नहीं भूख से है। कि कहीं कोरोना से पहले भूख उन्हें और उनके अपनों को मार न डाले। जिससे देश के मजदूर सडकों पर एक साथ इतनी तादाद में निकल पडे हैं और रोज हादसे का शिकार हो रहे हैं।

निःसंदेह संकट बडा है, देश के सामने कोरोना संकट के साथ-साथ मजदूरों को आर्थिक संकट से निकालने का भी प्रश्न है। सडकों पर निकले ये वहीं मजदूर हैं, जिनसे शहरों की चौराहे रोशन थे, कुछ रेहडी वाले, कुछ चाय-समोसे वाले, कुछ आइस्क्रीम, सब्जी वाले तो कुछ शहरों की उंची-उंची इमारतों को तराशने वाले कामगार है, जो मोटा-माटी सामान के साथ शहर आये थे, चन्द पैसा कमाने। अब अपने गांवों को पैदल ही निकल पडे इस उम्मीद में कि शायद कोई समझेगा उनके दर्द को, पांव में पडे छालों के जख्म को, इन कामगारों के पास ना पैसे हैं, ना कोई वापस जाने का साधन बेबस मजदूर हाइवे से निकले, तो खदेडें गये इसलिए कुछ ने रेल की पटरियों का रास्ता पकडा और निकल पडे अपने घरों को। महाराष्ट्र के औरंगाबाद के वो 16 मजदूर जो पटरी पर कभी न उठने वाली मौत की नींद सो गये, मौत का यह सिलसिला पहले लॉकडाउन से ही शुरू हो गया था और अभी तक बदस्तूर जारी है। देश के ये कामगार समाज और सरकार के सबसे बडे सहायक हैं। जिनकी सुध लेने वाला दूर-दूर तक नजर नहीं आ रहा। इन मजदूरों को ये भी नहीं पता जिन रास्तों से ये चल निकले हैं, वो इन्हें घरों तक पहुंचाएगें या नहीं। कई मजदूर सडक हादसे का शिकार हो गये, लेकिन न मजदूरों ने चलना छोडा, न हमारे सिस्टम ने सुध ली, जिससे मजदूरों की मौत का आकंडा बढता ही जा रहा है। सामाजिक दूरी, स्वच्छता, स्वास्थ्य जैसी समस्याओं को हल कर पाना इन कामगारों की क्षमता से परे है। मध्यप्रदेश के नरसिंहपुर में आम से भरा ट्रक पलटने से 5 मजदूर, मध्यप्रदेश के बडवानी जिले में उत्तरप्रदेश को निकले भूख-प्यास और थकान से मजदूरों की मौत सिस्टम पर सवाल है, हमारी संस्कृति अतिथि देवो भवः की है, जिसमें दूर देश से आये मेहमानों की आव भगत में लाखों लोगों का हुजूम आसानी से खडा किया जा सकता है, कुछ ऐसी ही व्यवस्थाओं के हकदार ये सशक्त भारत के रचनाकार भी थे, जिनकी सिसकिया इतिहास में नम आंखों से पढी जाएगी। शहरों से मजदूरों का इस तरह पलायन शहरों को सूना करने वाला है। मजदूरों से पूछें तो वो कहते हैं, कि हम लौटकर अब कभी नहीं आएगे। यह समाज और सरकार के गहन चिन्तन का प्रश्न होना चाहिए, कि जब देश के शहर सूने होंगे तो आर्थिक विकास का पहिया कैसे आगे बढेगा। देश के मजदूर अर्थव्यवस्था चलाने वाले मजबूत कडी है। उनकी उपेक्षा नहीं की जा सकती उनके प्रति उपेक्षा बताती है कि सरकार उनसे किए वायदों पर खरी नहीं उतर रही है। कोरोना संकट ने उन गरीब मजदूर गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य पर भी गहरा संकट खडा कर दिया है, जिन्होंने सडक पर बच्चों को जन्म दिया और फिर पैदल मीलों का सफर तय किया। सवाल उठता है, कि इतनी सारी अव्यवस्थाओं का जिम्मेदार आखिर कौन है? कोरोना की महामारी या फिर हमारा समाज, या वो सरकार के नुमाइंदे जो वोट मांगने सबसे पहले इन मजदूरों के घर जाते हैं। साथ में खाना खाने की तस्वीरें पोस्ट करते हैं, और यह जताने की कोशिश करते हैं, कि हम सबसे ज्यादा मजदूरों के हमदर्द हैं।

अपनी अलग एक पहचान बना चुकी है ईशा गुप्ता

नवाजुद्दीन सिद्दीकी पर भी पड़ी कोरोना की मार ! परिवार के साथ किए गए क्वॉरेंटाइन

बॉलीवुड एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म घूमकेतु को लेकर काफी चर्चा बटोर रहे हैं लेकिन अब एक और वजह से नवाज सुर्खियों में आ गए हैं। दरअसल, देशभर में कोरोना की मार पड़ रही है। कोरोना से संक्रमित लोगों की संख्या एक लाख के पास पहुंच गई है। कोरोना की मार बॉलीवुड एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी पर भी पड़ी है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी और उनके परिवार को 14 दिनों के लिए क्वॉरिंटाइन कर दिया गया है। दरअसल , नवाज अपने परिवार के साथ ईद मनाने के इरादे से 11 मई को अपने घर मुजफ्फरनगर आए थे। सरकार से परमिशन लेकर नवाज ने ट्रैवल किया लेकिन घर पर पंहुचते ही स्थिति को देखते हुए परिवार के साथ नवाज को 14 दिनों के लिए क्वॉरिंटाइन कर दिया गया । पूरे परिवार का कोरोना टेस्ट भी हुआ हालांकि खुशी की बात ये है कि पूरे परिवार की रिपोर्ट नेगेटिव आई। दरअसल यह ऐहतिहात के तौर पर लिया गया कदम था। नवाजुद्दीन के साथ-साथ उनके भाई ,भाभी और मां को क्वॉरिंटाइन किया गया है। दरअसल महाराष्ट्र में कोरोना से संक्रमित लोगों की संख्या काफी तेजी से बढ़ी है। खासकर मुंबई के धारावी को तो हॉटस्पॉट भी बनाया गया है । ऐसे में मुंबई से यूपी के मुजफ्फरनगर आना नवाजुद्दीन के लिए काफी रिस्की रहा होगा। यही वजह है कि ऐतिहातन पूरे परिवार के साथ नवाज को क्वॉरिंटाइन कर दिया गया। वर्क फ्रंट की बात करें तो 22 मई को नवाज की फिल्म घूमकेतुरिलीज होने जा रही है। फिल्म का टीजर भी रिलीज हो गया है। टीजर में नवाज के साथ-साथ अनुराग कश्यप भी नजर आ रहे हैं।फिल्म को अमेजॉन प्राइम पर 22 मई से स्ट्रीम किया जाएगा।फिल्म को पुष्पेंद्र नाथ मिश्रा ने डायरेक्ट किया है। फिल्म का जौनर कॉमिडी है । एक स्ट्रगलिंग राइटर के किरदार में नवाज काफी जच रहे हैं। साथ ही रिश्वतखोर पुलिस वाले के किरदार में अनुराग कश्यप ने भी जान फूंक दी है। टीजर में रणवीर सिंह, सोनाक्षी सिन्हा और सदी के महानायक की झलक देखने को मिल रही है।माना जा रहा है इन सितारों का भी फिल्म में अहम किरदार होगा। तो बस आप इंतजार कीजिए 22 मई तक का, और नवाज को घूमकेतु के किरदार में देखने का।

सिर्फ 7000 रुपए के लिए शेफाली जरीवाला ने किया था कांटा लगा डांस

सक्सेस और शोहरत हर किसी का सपना होता है, हालांकि किसी-किसी को इसे हासिल करने में काफी समय लग जाता है तो वहीं कुछ लोगों की लाइफ में सक्सेस खुद अचानक से दस्तक दे जाती है। ऐसी ही कुछ कहानी है, कांटा लगा गर्ल शेफाली जरीवालाकी जिन्हें कॉलेज के दिनों में ही काफी पॉपलरिटी मिल गई थी।

शेफाली जरीवाला इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही थी तभी अचानक डायरेक्टर्स डूओ राधिका राव और विनय सपरु ने उन्हें कॉलेज के बाहर स्पॉट किया और उन्हें कांटा लगा रीमिक्स सॉन्ग का म्यूजिक वीडियो ऑफर किया। इस म्यूजिक वीडियो से शेफाली जरीवाला को काफी सक्सेस मिली और वो रातों-रात एक स्टार बन गईं जिसके बाद शेफाली ने शोबिज में अपना करियर बनाने का फैसला किया। एक लीडिंग टेबलाइड को दिए इंटरव्यू में शेफाली जरीवाला ने अपनी सक्सेस का क्रेडिट कांटा लगा सॉन्ग को दिया और काफी कुछ खुलासा भी किया। शेफाली ने बताया, - मेरे डैड शुरूआत में इन सबके खिलाफ थे। मैं तब कॉलेज में थी और मैं टीचर्स की फैमिली से आती हूं, इसलिए मेरे मॉम-डैड ने मुझे अपनी पढ़ाई पर कॉन्सनट्रेट करने को कहा, लेकिन मैं इसे करना चाहती थी क्योंकि मुझे इसके लिए पैसे भी मिल रहे थे। मैंने कांटा लगा सॉन्ग से 7,000 रुपये कमाए, और साथ ही मुझे खुद को टीवी पर देखने का मौका भी मिला। हालांकि शेफाली इस ऑफर को लेना चाहती थी, लेकिन उनके डैड इसके फेवर में नहीं थे। शेफाली ने आगे कहा- मेरे डैड पूरी तरह से इसके खिलाफ थे। इसलिए पहले, मैंने अपनी मॉम को मनाया और फिर हम दोनों ने मिलकर डैड को भी मना लिया और सॉन्ग का इतना ज्यादा हिट होना मेरे लिए किसी सपने से कम नहीं था। मैं कहना चाहूंगी की कांटा लगा ने मेरी पूरी लाइफ बदल दी। कुछ म्यूजिक वीडियो के बाद, शेफाली ने नच बलिए 5 में अपने बॉयफ्रेंड जो कि अभी उनके हसबैंड हैं, पराग त्यागी के साथ पार्टिसिपेट किया, साथ ही ये कपल नच बलिए 7 में भी वाइल्ड कार्ड एंट्री के जरिए शामिल होकर धमाल मचाता नजर आया। 2018 में, शेफाली ने आल्ट बालाजी की एडल्ट कॉमिडी सीरीज बेबी कम ना, के साथ अपना डिजिटल डेब्यू किया, जिसका डायरेक्शन फरहाद सामजी ने किया था। अभी हाल ही में, शेफाली को फेमस रियलिटी शो बिग बॉस 13 में वाइल्ड कार्ड एंट्री के रूप में देखा गया था, जिसमें शेफाली ने दोस्त से दुश्मन बने आसिम रियाज के साथ अपने लड़ाई -झगड़ों के लिए काफी सुर्खियां बटोरी थी।

बेटी को गोद में लेकर डांस करती नजर आई स्मृति खन्ना

टीवी की एक्ट्रेस स्मृति खन्ना हाल ही में मां बनीं हैं। एक्ट्रेस ने लॉकडाउन के चलते बेटी को जन्म दिया। इन दिनों एक्ट्रेस अपनी लाड़ली बेटी अनायका के साथ सारा समय बिताती हैं। सोशल मीडिया पर जमकर फोटो भी शेयर करती हैं। हाल ही में उन्होंने एक वीडियो शेयर किया है जिसमे वो अनायका को गोद में लेकर डांस करती नजर आ रही हैं। बेटी संग स्मृति डांस में इनती मगन हो रही है कि उन्हें पता ही नहीं चला की पति गौतम उनका वीडियो भी बना रहे हैं। वीडियो के साथ-साथ एक्ट्रेस ने इंस्टा स्टोरी पर अनायका की क्यूट फोटो शेयर कि है जिसमे वो सोती हुई नजर आ रही हैं। इसके साथ कैप्शन में लिखा है- खा-पी के टूल। स्मृति खन्ना हमेशा से अपने लुक को लेकर चर्चा में रहती हैं। प्रेग्नेंसी के दौरान भी वह अपने लुक का खास ख्याल रखती थीं और लोगों के साथ अपनी तस्वीरें साझा करती रहती थीं। डिलीवरी के बाद की भी तस्वीरें स्मृति लगातार शेयर कर रही हैं। आपको बता दें कि टीवी सीरियल ह्यमेरी आशिकी तुम सेह्न में स्मृति खन्ना में नजर आई थी। पहले दोनों अच्छे दोस्त बने। इसके बाद दोनों में प्यार हुआ और एक्ट्रेस ने गौतम गुप्ता से साल 2017 में शादी रचाई थी। दोनों के बीच इस शो के सेट पर ही अफेयर शुरू हुआ था। फिर बाद में गोवा जाकर गौतम ने स्मृति को शादी के लिए प्रपोज किया। शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थी। शादी में पिंक एंड सिल्वर कलर का लहंगा पहनें स्मृति बेहद खूबसूरत लग रहीं थीं, वहीं गौतम क्रीम एंड व्हाइट शेरवानी में नजर आए थे।

कंटेस्टेंट को गाली देने पर ट्रोल हुई थीं नेहा धूपिया

एक्ट्रेस ने कहा- बिना गलती मुझे अपमानित किया गया, मेरे परिवार पर गलत टिप्पणी की गई

अभिनेत्री नेहा धूपिया का कहना है कि उनकी जिंदगी में कुछ वक्त ऐसे रहे हैं, जब ट्रोलिंग का उन पर कोई फर्क नहीं पड़ा, लेकिन कुछ ऐसे भी पल रहे हैं, जब वह इनसे बेहद बुरी तरह से प्रभावित हुईं। उनका कहना है कि बिना किसी गलती के किसी को भी ट्रोल होना या अपमानित होना या परिवार को लेकर उल्टी-सीधी बातें कहे जाना पसंद नहीं।

हाल ही में नेहा को उनकी एक टिप्पणी या कॉमेंट के चलते काफी ज्यादा ट्रोल किया गया। रोडीज के ऑडिशन के लिए आए एक पुरुष प्रतिभागी को नेहा ने उस वक्त खरी-खोटी सुनाई, जब उसने एक लड़की के साथ अपने रिश्ते की बात की। लड़के ने कहा कि उसकी प्रेमिका ने उसे धोखा दिया, वह उसके साथ-साथ पांच और लड़कों से भी बात करती थी और इसका पता लगने पर उसने लड़की को थप्पड़ भी मारा। इस पर नेहा भड़क गई थीं और उन्होंने जमकर लड़के की क्लास भी ली, जिससे दर्शकों को लगा कि नेहा लड़की की गलतियों पर पर्दा डाल रही हैं। ट्रोलिंग के उस वाक्ये को याद करते हुए नेहा ने बताया, किसी को भी ट्रोल होना पसंद नहीं। इस बात से दूर भागना आसान नहीं है कि आपकी बिना किसी गलती के आपको अपमानित किया जा रहा है। लोग न सिर्फ आपको नीचा दिखा रहे हैं, बल्कि आपकी निजी जिंदगी और परिवार पर भी फब्तियां कस रहे हैं। वह आगे कहती हैं, मैंने बस अपना एक पक्ष लिया और मुझे जो कुछ भी कहना था, उस पर मैंने अपना बयान दे डाला, तो मुझे नहीं लगता कि मेरे पास कहने के लिए कुछ और था। रही बात क्या मैं हमेशा घरेलू हिंसा के खिलाफ खड़ी रहूंगी? तो हां मैं रहूंगी। क्या ट्रोलिंग से वह प्रभावित होती हैं, इस पर अभिनेत्री ने जवाब दिया, हां, कभी-कभी ऐसा होता है और कभी-कभी आपकी चमड़ी इतनी मोटी हो जाती है कि इन सबका कोई फर्क ही नहीं पड़ता है। काम की बात करें, तो नेहा ने मशहूर एडवेंचर रिएलिटी शो एमटीवी रोडीज रिवॉल्यूशन के 17वें सीजन के गैंग लीडर के रूप में अपनी वापसी की है। कोविड-19 के चलते जारी लॉकडाउन को देखते हुए हाल ही में इसके पहले वर्चुअल ऑडिशन को आयोजित किया गया था। इसे एमटीवी पर प्रसारित किया जा रहा है।

अपनी एक अलग पहचान बना चुकी हैं ईशा गुप्ता

बॉलीवुड में ऐसी कई एक्ट्रेसेस हैं जो अपनी एक अलग पहचान बना चुकी हैं। अब एक्ट्रेस ईशा गुप्ता को ही ले लीजिए। सभी जानते हैं कि, ईशा गुप्ता अपनी बोल्ड अदाओं के लिए मशहूर हैं। बॉलीवुड में ईशा ने अपनी एक अलग पहचान बनाई है।

ईशा साल 2007 में मिस इंडिया इंटरनेशनल का खिताब अपने नाम कर चुकी हैं। ईशा का जन्म 28 नवंबर 1985 को दिल्ली में हुआ था। ईशा का फैमिली बैकग्राउंड बेहद अलग रहा है। उनके पापा जहां आर्मी में रहे। वहीं मॉम एक हाउसवाइफ हैं। ईशा ने कर्नाटक के मनिपाल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलोजी से मास कम्यूनिकेशन की पढ़ाई की है। आपको जानकर हैरानी होगी कि, ईशा गुप्ता को अमेरिका की एक लॉ स्कूल से स्कॉलरशिप का ऑफर भी मिला था। लेकिन उन्होंने अपने फिल्मी करियर की तरफ ध्यान देते हुए स्कॉलरशिप लेने से इंकार कर दिया था। दिल्ली की रहने वाली ईशा ने मॉडलिंग को अपना प्रोफेशन बनाया। वो मशहूर मॉडल रही हैं औ? किंगफिशर कैलेंडर गर्ल भी रह चुकी है। शुरूआत से ही ईशा को बोल्ड अंदाज में देखा गया है। मॉडलिंग के बाद वो एक्टिंग में आ गईं और फिर बॉलीवुड में उनका करियर चल पड़ा। ईशा ने अपने करियर की शुरूआत साल 2012 में फिल्म जन्नत 2 से की थी। इस फिल्म में ईशा के साथ इमरान हाशमी नजर आए थे। फिल्म हिट रही थी और साथ ही ईशा को फिल्म के बेस्ट फीमेल डेब्यू ऑफ द ईयर का अवॉर्ड का नॉमिनेशन भी मिला था। इस फिल्म के बाद ईशा राज 3 में नजर आईं। इस फिल्म में भी उनके साथ इमरान हाशमी थे और साथ में बिपाशा बासु थीं। ये फिल्म भी हिट रही थी। बस फिर क्या इन फिल्मों के बाद बॉलीवुड में ईशा को पहचान मिल गई। इन फिल्मों ने उन्हें बोल्ड एक्ट्रेस का खिताब दे दिया। इसके बाद वो कई फिल्मों में दिखी हैं, जिसमें अजय देवगन की बादशाहो से लेकर अक्षय कुमार की रुस्तम जैसी फिल्में शुमार है। ईशा ने मुंबई में अपना आलीशान घर बनाया है। जिसमें वो रहती है। ईशा सोशल मीडिया पर अपने घर की तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें उनके घर की हैं जहां वो नजर आ रही है। उनके घर में सबसे ज्यादा पेंटिंग्स हैं। क्योंकि ईशा को पेटिंग्स बहुत पसंद है। साथ ही व्हाइट सोफा रखा नजर आ रहा है। वहीं घर में ईशा ने सिल्वर औ? व्हाइट कलर के कर्टेन्स लगाए हैं। ईशा के घर में एक पेट डॉग भी है। ईशा के घर में ज्यादातर व्हाइट कलर थीम का ही यूज किया गया है।

हॉलीवुड एक्टर फ्रेड विलार्ड का निधन, 86 साल की उम्र में ली आखिरी सांस

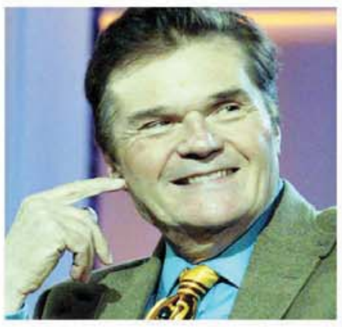

अपनी एक्टिंग से हॉलीवुड में अपनी छाप छोड़ने वाले दिग्गज एक्टर फ्रेड विलार्ड का निधन हो गया है। उन्होंने 86 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। फ्रेड विलार्ड ने हॉलीवुड की कई शानदार फिल्मों में बतौर कॉमेडियन का काम किया था। उन्होंने दिस इज स्पाइनल टैप, बेस्ट इन शो और एंकरमैनः द लीजेंड ऑफ रॉन बरगंडी जैसी कई फिल्मों में अपने कॉमिडी से दर्शकों को खूब हंसाया था। एक्टर फ्रेड विलार्ड के निधन की जानकारी उनकी बेटी होप मुलबर्गर ने दी है। होप मुलबर्गर ने कहा कि उनके पिता का निधन शुक्रवार देर रात को हुआ था। हालांकि होप मुलबर्गर ने अभी यह नहीं बताया कि फ्रेड विलार्ड का निधन किन कारणों से हुआ है। फ्रेड विलार्ड फिल्मों में हमेशा एक कॉमेडियन के तौर पर ही नजर आते थे। बात करें उनके सिनेमाई करियर की तो उन्होंने टीवी शोज से अपने एक्टिंग की शुरूआत की। वह पहली बार टीवी शो में नजर आए थे। फ्रेड विलार्ड की पहली फिल्म टीन एज मदर थी। यह फिल्म साल 1967 में आई थी। अपनी पहली ही फिल्म से फ्रेड विलार्ड ने दर्शकों के दिलों को जीत लिया इसके बाद उन्होंने एक से बढ़कर एक फिल्में दीं। फ्रेड विलार्ड को फिल्म दिस इज स्पाइनल टैप के लिए हमेशा याद किया जाता है। इस फिल्म में उन्होंने रोब रेनर मॉक्युमेंटरी का किरदार निभाया था जिसकी दर्शकों ने हमेशा तारीफ की। फ्रेड विलार्ड की फिल्म दिस इज स्पाइनल टैप साल 1984 में आई थी। इसके अलावा वह चार बार एमी अवॉर्ड के लिए भी नोमिनेट हो चुके हैं।

तापसी पन्नू के कमरे का एसी हुआ खराब, गर्मी से हुआ बुरा हाल

एक्ट्रेस तापसी पन्नू इन दिनों लॉकडाउन का पूरा पूरा पालन कर रही है और अपनी बहन के साथ घर पर ही सेल्फ आइसोलेशन पर हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमे वो कुछ परेशान सी नजर आई। वीडियो में तापसी बता रही है कि उनके कमरे का ए.सी. खराब हो चुका है और वह लीक कर रहा है। तापसी कहती है जब आपका ए.सी. साथ देना बंद कर दे और इसे ठीक करने वाले को घर बुलाने की अनुमति न हो, ऐसे में क्या करेंगे? देखिए, ए.सी. लीक कर रहा है। इसके अलावा कैमरे में वह दिखाती हैं कि ए.सी. कहां से लीक कर रहा है। वीडियो में वह बताती हैं कि दोस्तों स्ट्रगल काफी असली है। हाल ही में उन्होंने अपने रिलेशनशिप को भी ऑफिशियल किया। तापसी ने बताया कि वह बैडमिंटन प्लेयर मैथियस बोई को डेट कर रही हैं। और इस बारे में उनके परिवार को भी जानकारी है। उन्होंने बताया था कि मैं किसी से भी कुछ भी छुपाना नहीं चाहती हूं। मेरी जिंदगी में एक स्पेशल व्यक्ति है, और मुझे इस बात को अपनाने में गर्व महसूस हो रहा है। लेकिन हां, मैं सिर्फ इसके बारे में इसलिए बात नहीं करना चाहती हूं कि मैं सुर्खियों में आ जाऊंगी। इस बीच वर्क फ्रंट की बात करें तो तापसी की पिछली फिल्म थप्पड़ रिलीज हुई थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तो ज्यादा नहीं चली लेकिन इसमें तापसी के काम की काफी तारीफ हुई थी। अभी तापसी की कई फिल्में आने वाली हैं जिनमें हसीन दिलरुबा, रश्मि रॉकेट और शाबाश मितु जैसी फिल्में शामिल हैं।

अपराध व अपराधियों पर नकेल के कसने के लिये बदले गये थानेदार...

केशव पडित जी अम्बाह

अम्बाह-मुरैना। चम्बल मे अब्बल एसपी डा. असित यादव को मुरैना की कमान सभाले हुऐ लगभग 480 दिन होगये जिन्हौने अपराधो पर शिकंज्जा तो कसा ही है अपितु समंपत्ति रिकबरी मे पिछ्ले सालो की अपेक्षा तीन गुनी रिकबरी की है जो एक अपने आप में एक बडी मिशाल कारबाही है 28 फरबरी 2019 को जब मुरैना जिले का पदभार ग्रहण किया था तब स्थिती जिले की क्रिकेट के मैच के जैसी थी कारण आईपीएस रियाज इकबाल का महीने भर में तबादला व लोकसभा चुनाब की बडी चुनोती सामने थी मानो क्रिकैट मैच का लास्ट ओबर बचा हो और मैच जीतने के लिये प्रत्येक गेद पर 6 छक्कै लगाने हो तो ही मैच जीता जाये परन्तु प्रत्येक गेद पर ही नही नो बॉल पर भी छक्का लगाया पुलिस टीम के साथ सामंजस बिठाके जनता से रूबरू होकर गोपनीय सूत्रो व बिश्वसनीय मुखबरि तन्त्र के द्वारा बो खिलाडी की भूमिका अदा की कि नामी ग्रामी गुन्डे बदमाश भूमिगत होगये उनका आज दिन तक नही पता है उसी भूमिका को लेकर और अच्छा काम करने के लिये 12 उपनिरीक्षको को इधर से उधर अदला बदली की है नये अपराध न हो उन पर नकेल कसने के लिये साफ कहा है कि किसी भी सूरत में अपराधी बख्शे नही जाने चाहिये साथ ही पीडितो को इंसाफ दैने में कोताही कतई नही बरती जानी चाहिये आईपीएस डा. असित यादव ने कोरोना 19 को लेकर सभी थानेदारो को मुकम्मल निर्देश दिये है कि सभी अपनी अपनी ड्युटी को साबधानी बरतने के साथ साथ ईमानदारी से निभाये इधर मध्य प्रदेश के उन गिने चुन्दिा अधिकारियो मे से 2006 बैच के आईपीएस अफसर श्री राजेश हिगणकर जी ने डीआईजी चंबल जॉन का हाल ही में कार्यभार सभाला है स्वच्छ छबि व तेजतर्रार माने जाने बाले डीआईजी ने भिण्ड में आते ही रेत माफियो के खिलाफ नकेल कसते हुऐ हडकंम्प मचा दिया अपितु उन अधिकारियो को भी नही बख्सा जिनकी माफियो के साथ सोहरत पाई गई थी सभी पर कार्यबाही उचित समझी ओर सभी जिलो के थानो में बैठक कर समीक्षा की जिसमें मुरैना जिला अपराधो के ग्राफो की गिराबट व रिकबरी में प्रथम पायदान पर पाया गया व कोराना संक्रमण बीमारी को लेकर व मुरैना एसपी की चुस्त दुरस्त पुलिस की चॉक चॉबन्ध ब्यबस्था को देखकर डीआईजी चम्बल ने मुरैना एसपी असित यादव की कार्य प्रणाली की पत्रकार बन्धुओ से बात करते हुये प्रसंसा की इधर एसपी असित यादव ने 12 उपनिरी. को बदलकर सभी थानो के अपराधो की समीक्षा करने की जानकारी मागी है व अपराधियो के साथ सख्ती बरतने के साथ ही पीडितो को इंसाफ दिलाने में किसी भी तरह की कोताही करने पर कडी कारबाही करने की चेताबनी दी है और संगीन घटनाओ के जल्द से जल्द खुलासे के निर्दैश दिये है...

नमो नारायणी महिला मोर्चा नव निर्माण भारत जिला अध्यक्ष बनी लष्मी गौतम

सतना। मेरा नाम लक्ष्मी गौतम है और मैं 18 साल की उम्र में समाज सेवा करने का मुझे बहुत ही अवसर मिला और मुझे नव निर्माण भारत प्रदेश उपाध्यक्ष हेल्प जीडीओ सचिव आकाश गुप्ता जी के आदेश आदेशाअनुसार लष्मी गौतम जी को नव निर्माण भारत महिला युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष जाने पर बहुत-बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं लक्ष्मी गौतम जी नव निर्माण भारत संगठन में आपका हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन है और नवनिर्माण भारत संगठन आपसे अपेक्षा करता है कि आप नवनिर्माण भारत सामाजिक संगठन को मजबूत बनाने में संगठन की मदद करेंगी और राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजा बाबू ओझा जी के आदेशों पर चलकर और बेरोजगार भ्रष्टाचार मुक्त और सभी गरीब मजदूर सभी किसान भाइयों को साथ में लेकर जो भी भारत सरकार की योजनाएं हैं उन योजनाओं को हर अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य करेंगी और नव निर्माण भारत को विश्व का सबसे बड़ा संगठन बनाने में एक दूसरे पदाधिकारी का सहयोग करेंगी लक्ष्मी गौतम ने कहा कि मैं ईमानदारी और निष्ठा पूर्वक कार्य करूंगी और मैं आपके दिए गए पद से खरी उतरूंगी गरीबों को जो भी मदद होगी मैं मदद करूंगी चाहे मुझे कुछ भी करना पड़े।नव निर्माण प्रदेश उपाध्यक्ष आकाश गुप्ता नवस्ता,सतीश नारायण शुक्ला राष्ट्रीय महा सचिव संगठन सदस्य कोर कमेटी श्री अवधेश कुमार शुक्ला राष्ट्रीय महासचिव नवनिर्माण भारत सामाजिक संगठन युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष दीपक मिश्रा।

फट्टा व्यापारी कर रहे खरीदी, मंडी कर्मचारी नही कर रहे 5 गुना वसूल

मंडी सचिब के उदासीन रवैया से मौज कर रहे फट्टा व्यापारी

सेवढा।। कोरोनावायरस महामारी लॉक डाउन में कृषि उपज मंडी समिति सेवड़ा के सचिव रामकुमार गुप्ता के द्वारा उदासीन रवैया से कर्मचारियो में ढील पोल का साफ नजर आ रही है और फट्टा व्यापारी किसानों को लूट कर मौज करते नजर आ रहे है जिसके चलते कृषि उपज मंडी प्रांगण के बाहर हो रही तौल को लेकर कार्यवाही को अंजाम आज तक नहीं दिया जा रहा है बल्कि उनसे रिश्वत रूपी हिस्सा लेकर अपनी जेवे गर्म करने में लगे हुए है जिसमे कमीशन का हिस्सा मंडी सचिब रामकुमार गुप्ता का रहता है जिससे फट्टा व्यापरियों का व्यापार दिन दुगना रात चोगना फल फूल रहा है जिसमें अवैध रूप से कई फट्टे व्यापारी बिना लाइसेंस के किसानों से जमकर खरीदी कर रहे हैं और किसानों के साथ सरे आम उनकी मेहनत में डंका डाला जा रहा है और किसानों की मासूमियत का फायदा उठा रहे हैं जिसकी फिगर मंडी सचिव को बिल्कुल भी नहीं और सारे नियमों को ताक पर रखकर मंडी में अवैध रूप से किसानों से फट्टे व्यापारियों के द्वारा खरीदी कराई जा रही है कृषि उपज मंडी समिति सेवढा के आसपास कई मंडियों में फट्टे वाले व्यापारियों के प्रकरण पंजीकृत कर 5 गुना जुर्माना जुर्माना वसूला जा रहा है लेकिन इस तरह की कार्यवाही सेवढा में स्थित कृषि उपज मंडी में बैठे कर्मचारी नहीं कर रहे हैं प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड के भोपाल के आदेश के बाद भी मंडी सचिव राम कुमार गुप्ता के द्वारा मंडी प्रांगण के बाहर हो रही तोल को लेकर बड़ी कार्रवाई नहीं की जा रही है जिसमें आज दिन फट्टा व्यापारियों की संख्या बढ़ती जा रही है और किसानों के साथ लूट का खसोट बढ़ती जा रही है

सेवड़ा नवागत एसडीएम बीरेंद्र सिंह बघेल ने किया गेहूँ खरीदी केंद्रों का निरीक्षण

सेवढा।। सेवड़ा अनुभाग का नया चार्ज संभालने के बाद नवागत एसडीएम बीरेंद्र सिंह वघेल ने सेवड़ा क्षेत्र के खरीदी केंद्रो का निरीक्षण किया। खरीदी केंद्रों पर निरीक्षण के दौरान उठाव गेहू परिवहन व्यवस्था धीमी होने पर नाराजगी व्यक्त की है तथा परिवहन ठेकेदार को समय पर गेंहू परिवहन करने के निर्देश दिए है। वही केंद्रों पर पानी और छाया की व्यवस्था देखी, जो केंद्रों पर मिलने पर सन्तोष व्यक्त किया है। साथ ही केंद्र संचालको को किसान सम्बधी किसी की भी शिकायत न आने की हिदायत दी गई है। निरीक्षण के दौरान एसडीएम के साथ तहसीलदार नरेंद्र यादव, नायव तहसीलदार कल्पना कुशवाह, आर आई, पटवारी उपस्थित रहे। इन केंद्रों का किया निरीक्षण-निरीक्षण के दौरान सोमबार को एसडीएम बीरेंद्र सिंह वघेल ने देभई, नहला, भगुवारामपुरा, भवानी मार्केटिंग सोसायटी, भगुवापुरा के अलाबा करीब एक दर्जन खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया है।

गौरवशाली सामाजिक संस्था निरंतर कर रही है मानव सेवा

श्रमदान से बड़ा कोई दान नहीं-शिल्पा डोगरा

ग्वालियर (अर्पित गुप्ता) गौरवशाली सामाजिक संस्था के सह सचिव एवं मीडिया प्रभारी वासुदेव मिश्रा ने जानकारी दी कि संस्था द्वारा लगातार शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर श्रमदान करते आ रही है। संस्था की अध्यक्ष अधिवक्ता शिल्पा डोगरा द्वारा बेटियों की आवाज के अध्यक्ष कीर्ति मिश्रा के साथ इटालियन गार्डन के पास श्रमिक परिवारों को मास्क वितरित कर जरूरतमंदों को भोजन पैकेट वितरित कर श्रमदान किए। पंजाबी परिषद द्वारा चलाए जा रहे बाईपास रोड पर प्रवासी मजदूरों एवं राहगीरों के लिए जलपान व्यवस्था में सहभागिता निभाई।संध्या कालीन कोई भूखा ना सोए संकल्प अनुसार हेमसिंह की परेड, जीवाजी गंज चौक, कंपू क्षेत्र इत्यादि में सूखा राशन सामग्री वितरित कर श्रमदान किए। शिल्पा डोगरा वासुदेव मिश्रा बरखा श्रीवास्तव आकाश श्रीवास्तव ने इंदरगंज चौराहे पर अचानक लगी भीषण आग से हुई दर्दनाक मौतों पर दुख प्रकट करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।इस दौरान अध्यक्ष अधिवक्ता शिल्पा डोगरा,सह सचिव वासुदेव मिश्रा,अधिवक्ता बरखा श्रीवास्तव गौरवशाली सामाजिक संस्था एक प्रयास मानवता की ओर मौजदू रहें।

TRAFFIC POLICE

नगर पालिका भिंड सीएमओ ज्योति सिंह ने रुके हुए विकास कार्य किया शुरू

अनिल पाराशर

भिंड। नगरपालिका के पहले से काफी काम रुके पडे थे जैसे सीवर प्रोजेक्ट आरो प्रोजेक्ट सड़क निर्माण नाली निर्माण पुलिया आदि कार्य लॉक डाउन के दिनों में ही आवागमन लोगों का कम है शहर के विकास कार्य के लिए सीएमओ ज्योति सिंह ने उठाया बड़ा कदम हनुमान बजरिया का पहले किया निरीक्षण फिर ठेकेदारों से की बात हनुमान बजरिया मैं विकास कार्य के लिए जैसे आरो लाइट पोल स्विफ्ट पाने की सप्लाई सिविल सप्लाई सड़क निर्माण गली की नालियां उनके चेंबर निकासी लाइट व्यवस्था आदि करना शेष था नगर पालिका सीएमओ ज्योति सिंह नए आज हनुमान बजरिया मैं शुरू किए कार्य गीता भवन चौराहे से शुरू होगा अतिक्रमण का चिन्हित होना साथ ही अतिक्रमण हटाने के लिए सीएमओ ने दिए दिशा निर्देश नगर पालिका अधिकारी ज्योति सिंह गीता वन चौराहे पर आज अपने कर्मचारियों को लेकर पहुंच गई उनके साथ इंजीनियर आर आई सफाई कर्मचारी हितेची मशीन चालक आदि नगर पालिका कर्मचारी मौजूद थे

बारिश से पूर्व नगर परिषद द्वारा द्वारा नगर के नालों की सफाई प्रारंभ

सेवढा।। सेवढा नगर में प्रशासक पूर्व में तत्कालीन एसडीएम राकेश सिंह परमार के निर्देश पर सीएम योगेंद्र सिंह तोमर के कुशल मार्गदर्शन में नगर में बरसात से पूर्व नालों की सफाई का कार्य अभियान के रूप में चलाया जा रहा है मुख्य नगरपालिका अधिकारी योगेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि शहर साफ और सुंदर रहे यह प्रयास हमारे द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं नगर परिषद कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि शहर में भरे कचड़े को नाली और नालों में जमा कचड़े को साफ कराया जाए नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों के द्वारा वही गंदगी को निकालकर ट्रैक्टरों में भरकर बाहर फेंका जा रहा है यह सफाई अभियान का कार्य लगातार 2 सप्ताह से जारी है जब तक पूरे शहर के नालों की सफाई नहीं हो जाती है यह कार्य जारी रहेगा क्योंकि बरसात के मौसम शुरू होने वाला है शहर वासियों को समस्या का सामना ना करना पड़े साथ ही कोरोनावायरस से निपटने के लिए नगर को लगातार सेनेटाइज किया जा रहा है हमारा प्रयास है आगामी बरसात के मौसम में लोगों को परेशानियों का सामना ना करना पड़े तथा शहर साफ सुथरा बना रहे तथा बना रहे तथा सुथरा बना रहे तथा बना रहे तथा बीमारियों से मुक्ति मिल सके गौरतलब है कि शोभा नगर के गली मोहल्ला में बरसात के दिनों में बनी नालियां कचड़े से भरी होने के कारण थोड़ी सी ही बारिश में नाले का पानी घरों में प्रवेश कर जाता था उक्त समस्या को देखते हुए पूर्व तत्कालीन एसडीएम राकेश सिंह परमार के द्वारा बरसात के पूर्व पूर्व समस्त प्रकार की तैयारियों को लेकर नगर परिषद सीएमओ योगेंद्र सिंह तोमर के निर्देश दिए थे थे जिस के चलते नालों की सफाई के लिए अभियान चलाया गया जो वर्तमान में अभी सक्रिय है।

दो पक्षों में चली कुल्हाड़ी एवं लाठी डेढ़ दर्जन से अधिक लोग घायल

सेवढा।। भुआपुराथाना अंतर्गत ग्राम मलियापुरा में सरकारी जगह पर डीपी रखने को लेकर विवाद हो गया और विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्ष के लोग हाथों में कुल्हाड़ी व लाठियां लेकर आ गए और एक-दूसरे पर हमला बोल दिया घटना में दोनों पक्षों के 19 लोग घायल हो गए घायल को उपचार के लिए सिविल अस्पताल सेवढा में भर्ती कराया गया पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर क्रॉस मामला दर्ज कर विवेचना में लिया घटना सोमवार की सुबह करीब 10:30 बजे की है जानकारी के अनुसार ग्राम मलियापुरा निवासी राम लखन 46 उम्र पुत्र रामदास राठौर एवं नीरज राठौर के पक्ष के लोग गांव में जब छोटी माता मंदिर के पास थे तभी विद्युत डीपी सरकारी जगह पर लगाने को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया और विवाद बढ़ते ही दोनों पक्षों के लोग हाथ में कुल्हाड़ी व लठ लेकर एक दूसरे के ऊपर लाठियों से हमला कर घायल कर दिया एवं जान से मारने की धमकी दी पुलिस ने राम लखन की रिपोर्ट पर पंकज, रामकिशोर, नीरज, जीतेंद्र एवं राजू जातिगत राठौर निवासी ग्राम मालियापुरा तथा नीरज की रिपोर्ट पर पवन, नरेंद्र, संतोष, राम लखन, राधा कृष्ण, राजू, मुकेश, मुनेश, रामदास जातिगत राठौर के विरुद्ध क्रॉस मामला दर्ज कर विवेचना में लिया

यह हुए घायल- दो पक्षों के बीच हुए विवाद में दोनों पक्षों की ओर से ग्यासी राठौर, सुनीता राठौर, पप्पू उर्फ श्रीपति राठौर, पंकज राठौर, विपिन, मोनू, रामप्रसाद, अवनी, राजीव, विकास, नीरज, मुकेश, राम लखन, रचना, रामश्री, राजेंद्र , ऊषा, रीता, गुड्डी जातिगत सभी राठौर घायल हो गए घायलों को उपचार के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां पर पप्पू, ग्यासी एवं राम प्रसाद की हालत गंभीर होने पर उन्हें ग्वालियर रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी भुआपुरा सविता शर्मा पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुची और घायलों को उपचार के लिए सिविल अस्पताल सेवढा लाया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रवासी श्रमिकों की सहायता के लिये पाँच दिवसीय कैम्प

ग्वालियर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार माननीय अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री दीपक कुमार अग्रवाल, जिला न्यायाधीश ग्वालियर के निर्देशन में कोविड-19 कोरोना संक्रमण के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से पलायन होकर ग्वालियर जिले की सीमा में प्रवेश करने वाले प्रवासी मजदूरों की सहायता हेतु मोहना में लीगल कैम्प के साथ ही हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री ऋतुराज सिंह चौहान एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री एम.एन.एच. रिजवी मोहना में उपस्थित होकर स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता पीएलव्ही श्री विवेक रावत व श्री रामसिया शर्मा के सहयोग से 19 मई 2020 को लगभग 500 से अधिक मजदूरों जिनमें महिला एवं बच्चे भी सम्मिलित थे, को पेयजल, शर्बत के साथ ही खाने के लिये कढ़ी-चावल, खरबूज, लाई-चने एवं जरूरतमंद श्रमिकों को पहनने के लिये चप्पलें तथा बच्चों को कपड़ों का वितरण किया गया। इस अवसर पर आवश्यक दवाईयों के साथ चिकित्सक की व्यवस्था भी की गई। यह कैम्प पाँच दिनों तक आयोजित किया जायेगा।

ग्वालियर संभाग में 8 करोड़ 92 लाख की लागत से दो पुलों का निर्माण और एक पुल की मरम्मत शुरू

ग्वालियर। ग्वालियर संभाग में 8 करोड़ 92 लाख रूपए की लागत से दो नदी पुलों का निर्माण और एक पुल की मरम्मत करने के कार्य की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग द्वारा पुल निर्माण और मरम्मत करने वाली एजेन्सियों का निर्धारण किया जा रहा है। सेतु निर्माण संभाग ग्वालियर द्वारा जानकारी दी गई कि अशोकनगर जिले की मुगावली तहसील में बम्होरी-खाकलोन मार्ग में वेलन नदी पर पहुँच मार्ग सहित उच्चस्तरीय पुल का निर्माण 4 करोड़ 48 लाख 9 हजार रुपये की लागत से होगा। शिवपुरी जिले के ग्राम उमरीकला के पास मनपुरा खोड मार्ग से महुअर नदी पर उच्चस्तरीय पुल का निर्माण 4 करोड़ 39 लाख 72 हजार रुपये से किया जायगा।

नमो नारायणी महिला मोर्चा नव निर्माण भारत जिला अध्यक्ष बनी लष्मी गौतम

सतना। मेरा नाम लक्ष्मी गौतम है और मैं 18 साल की उम्र में समाज सेवा करने का मुझे बहुत ही अवसर मिला और मुझे नव निर्माण भारत प्रदेश उपाध्यक्ष हेल्प जीडीओ सचिव आकाश गुप्ता जी के आदेश आदेशाअनुसार लष्मी गौतम जी को नव निर्माण भारत महिला युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष जाने पर बहुत-बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं लक्ष्मी गौतम जी नव निर्माण भारत संगठन में आपका हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन है और नवनिर्माण भारत संगठन आपसे अपेक्षा करता है कि आप नवनिर्माण भारत सामाजिक संगठन को मजबूत बनाने में संगठन की मदद करेंगी और राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजा बाबू ओझा जी के आदेशों पर चलकर और बेरोजगार भ्रष्टाचार मुक्त और सभी गरीब मजदूर सभी किसान भाइयों को साथ में लेकर जो भी भारत सरकार की योजनाएं हैं उन योजनाओं को हर अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य करेंगी और नव निर्माण भारत को विश्व का सबसे बड़ा संगठन बनाने में एक दूसरे पदाधिकारी का सहयोग करेंगी लक्ष्मी गौतम ने कहा कि मैं ईमानदारी और निष्ठा पूर्वक कार्य करूंगी और मैं आपके दिए गए पद से खरी उतरूंगी गरीबों को जो भी मदद होगी मैं मदद करूंगी चाहे मुझे कुछ भी करना पड़े।नव निर्माण प्रदेश उपाध्यक्ष आकाश गुप्ता नवस्ता,सतीश नारायण शुक्ला राष्ट्रीय महा सचिव संगठन सदस्य कोर कमेटी श्री अवधेश कुमार शुक्ला राष्ट्रीय महासचिव नवनिर्माण भारत सामाजिक संगठन युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष दीपक मिश्रा।

स्वयं सफाई करके हमें दे रहे हैं स्वच्छ वातावरण

कोरोना की जंग, कर्मवीरों के संग

ग्वालियर। आम समय में भी लोग गंदगी के पास खड़ा होना तो दूर उसके आसपास से निकलना भी पसंद नहीं करते हैं, लेकिन इस कोरोना रूपी महामारी के संकट के समय भी आम लोगों को स्वच्छ वातावरण व साफ सड़कें उपलब्ध कराने के लिए सुबह से ही कचरे के ढेरों पर खड़े होकर कचरे को से उठाते हैं और कचरे को उचित डिस्पोजल के लिए लैंडफिल साइट पर भिजवाते हैं । ऐसे कर्मवीरों को हमें उनके जज्बे के लिए सलाम करना चाहिए। नगर निगम के कर्मठ सफाई कर्मचारी गब्बर पुत्र विनोद गंजी वाला मोहल्ला लक्कड़ खाने पर रहते हैं तथा प्रतिदिन प्रातः 6:00 बजे अपने परिजनों व बच्चों को सोता हुआ छोड़कर अपने घर से निकलकर वार्ड 34 की विभिन्न गलियों में कचरे को हटाने के लिए पूरी तन्मयता से जुट जाते हैं और अपने इस कार्य को ही वह सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं, जो कि हम सभी के लिए सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। वैसे कहने को तो यह सामान्य कार्य है, लेकिन सोचिए यदि कुछ दिन तक सड़क से कचरा ना उठें, तो कुछ ही दिनों में उस सड़क का मंजर क्या होगा और कितनी गंदगी हो जाएगी। हमें इस गंदगी से बचाने के लिए सफाई कर्मवीर अपने कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी से कर रहे हैं। वहीं नवल बागड़ी निवासी रॉक्सी पुल के पास प्रतिदिन वार्ड 43 स्थित पारख जी के बाड़े में सुबह 6:00 बजे पहुंचकर अपनी हाथ ठेले की गाड़ी से हम लोगों द्वारा फेंका गया कचरा उठाते हैं और हमें स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराते हैं। सफाई कर्मवीरों का भी परिवार होता है और उनके बच्चे होते हैं जो कि चाहते हैं कि आम लोगों की तरह उनके साथ वह घर पर ही रहे, लेकिन यदि सफाई कर्मवीर घर बैठ गए तो हमारे शहर का क्या हाल होगा यही सोच कर हम सभी को शहर की स्वच्छता को लेकर अपना सहयोग करना चाहिए। हम सभी अपने घर से निकलने वाले प्रतिदिन के कचरे को घर पर ही डस्टबिन में रखें तथा कचरा संग्रहण वाहन आने पर ही उसमें डालें सड़क पर कचरा ना फेंके यही हमारा राष्ट्र के प्रति सच्चा धर्म होगा।

जगनेर थाना इंचार्ज की नई कमान संभालेगे कुशलपाल सिंह

थाना जगनेर के नए एसएचओ श्री कुशलपाल सिंह जी को जगनेर की कमान सौंप दी गई है इसे देखते हुए जगनेर के युवा नेता रवि परिहार ज़िला गौरक्षा प्रमुख राष्ट्रीय बजरंग दल ने मुलाकात की और गणेश भगवान की प्रतिमा को भेंट किया अर्थात एसएचओ साहब को क्षेत्र की जानकारी दी वही थाना अध्यक्ष जी ने आश्वासन कि मैं न्याय के साथ रहूंगा दोषी खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी वहां मौजूद रामू परमार जिला सुरक्षा प्रमुख संदीप सिकरवार जिला उपाध्यक्ष रूपेंद्र परमार मोती परमार वसंत परमार समस्त राष्ट्रीय बजरंगदल जगनेर टीम की तरफ से बधाई दी।

चीफ रिपोर्टर खेरागढ़
जितेंद्र सिंह परमार

पीटरसन के बाद अब चैपल ने भी विराट को बताया मौजूदा दौर का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, कहा- उनकी फिटनेस और शॉट्स जबरदस्त

- चैपल ने कहा- कोहली का लिमिटेड ओवर में रिकॉर्ड शानदार
- वे जो रूट, स्मिथ और केन विलियम्सन से हर मामले में अव्वल
- कोहली फिटनेस के मामले में समकालीन खिलाड़ियों से आगे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज केविन पीटरसन के बाद ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयन चैपल ने भी विराट कोहली को मौजूदा दौर में दुनिया का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बताया है। उन्होंने कहा कि कोहली के क्रिकेटिंग शॉट्स और फिटनेस जबरदस्त है। इसी वजह से वे तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे और टी-20) में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। चैपल ने एक यू-ट्यूब शो पर भारतीय कप्तान के लिए यह बात कही। चैपल के मुताबिक, इसमें कोई शक नहीं है कि विराट मौजूदा दौर में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ, न्यूजीलैंड के केन विलियम्सन औ? इंग्लिश बल्लेबाज जो रूट के क्लब में शामिल हैं। लेकिन वे तीनों फॉर्मेट में इन बल्लेबाजों से बेहतर हैं। खासतौर पर लिमिटेड ओवर क्रिकेट में उनका रिकॉर्ड शानदार है।

यह सवाल पूछने पर कि वह कोहली को सर्वश्रेष्ठ क्यों मानते हैं। चैपल ने कहा- मुझे उनकी बल्लेबाजी का अंदाज पसंद है। भारतीय टीम जब पिछली बार आस्ट्रेलिया आई थी तो हमने उसका इंटरव्यू किया था। तब उन्होंने बताया था वे क्यों नहीं टी-20 क्रिकेट की तरह फेंसी शॉट्स खेलते हैं। उसने कहा था कि मैं नहीं चाहता कि टेस्ट क्रिकेट में उस तरह के शॉट्स खेलने की मुझे आदत पड़ जाए।

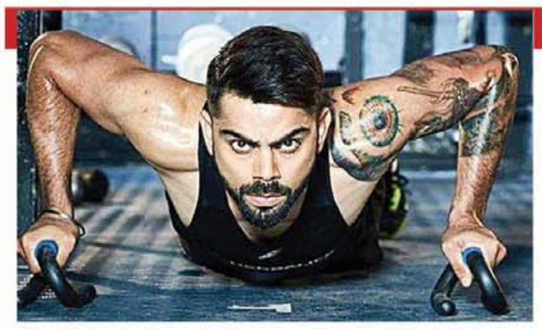

स्मिथ कोहली के आस-पास भी नहीं: पीटरसन

इससे पहले इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज केविन पीटरसन ने कहा था कि आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ कोहली के आस-पास भी नहीं ठहरते हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 70 शतकों समेत 20 हजार से अधिक रन बना चुके कोहली का तीनों फॉर्मेट में औसत 50 से अधिक है।

फिटनेस के मामले में कोहली सबसे आगे: चैपल

उन्होंने कहा कि फिटनेस के मामले में भी कोहली अपने समकालीन खिलाड़ियों से काफी आगे हैं। उनकी विकेटों के बीचे की दौड़ भी कमाल की है। उनकी कुछ पारियां लाजवाब रही हैं। उनकी कप्तानी भी बेखौफ है और वह हारने से नहीं डरते। वह जीत की कोशिश में हार के लिए भी तैयार रहते हैं। मुझे लगता है कि एक कप्तान को ऐसा ही होना चाहिए।

स्मिथ टेस्ट रैंकिंग और विराट वनडे में नंबर-1

मौजूदा आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में स्मिथ नंबर-1 और विराट दूसरे नंबर पर है। वनडे की बात की जाए तो विराट शीर्ष पर हैं, जबकि स्मिथ टॉप-10 में भी शामिल नहीं हैं। स्मिथ ने अब तक खेले 125 वनडे में 42.47 की औसत से 4162 और 73 टेस्ट में 62.84 के एवरेज से 7227 रन बनाए हैं। विराट के नाम 86 टेस्ट में 53.63 की औसत से 7240 रन दर्ज हैं।

'कोहली और रिचर्ड्स में काफी समानता'

चैपल के मुताबिक, हमारे समय में विवियन रिचर्ड्स वनडे क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज थे। वे हमेशा सही क्रिकेटिंग शॉट्स खेलते थे। फिर भी वे बहुत तेजी से रन बनाते थे। कोहली भी उनके जैसे ही हैं। वे भी पारंपरिक क्रिकेट शॉट्स खेलते हैं।

गेंद चमकाने में लार के इस्तेमाल पर रोक को लेकर इशांत ने कहा

अब गेंदबाजों को नए तरीकों के हिसाब से खुद को ढालना होगा

- इस तेज गेंदबाज ने कहा- लार का इस्तेमाल नहीं करने पर गेंद आपके हिसाब से चमकेगी नहीं, लेकिन कुछ और नहीं किया जा सकता
- आईसीसी गेंद चमकाने के लिए लार या पसीने की बजाए आर्टिफिशियल पदार्थ के इस्तेमाल को मंजूरी देने पर विचार कर रही
- ऑस्ट्रेलिया की कूकाबूरा कंपनी गेंद चमकाने के लिए मोम से बना केमिकल लाने जा रही है, इसे खिलाड़ी जेब में रख सकेंगे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

टीम इंडिया के तेज गेंदबाज इशांत शर्मा ने कहा कि अगर इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसीसी) कोरोना की वजह से गेंद पर लार के इस्तेमाल पर भविष्य में रोक लगाती है तो गेंदबाजों को खुद को नए तरीकों के हिसाब से ढाल लेना चाहिए। शर्मा ने आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के साथ इंस्टाग्राम पर लाइव चैट के दौरान यह बात कही। आईसीसी कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए गेंद को चमकाने के लिए पर लार या पसीने की बजाए आर्टिफिशियल पदार्थ के इस्तेमाल की मंजूरी देने पर विचार कर रही है। इस बारे में खिलाड़ियों के साथ ही क्रिकेट प्रशासकों को अलग-अलग राय सामने आ रही है। इंशात ने कहा कि खेल में बदलाव और नए नियमों पर चर्चा हो रही है। ईमानदारी से कहूं तो मैं सही मायने पर इस बारे में नहीं सोचता हूं। सबको पता है, कि कोरोना के कारण जीवन शैली में परिवर्तन लाना होगा।

वैक्स एप्लीकेटर से गेंद चमकाई जाएगी

ऑस्ट्रेलिया की कूकाबूरा कंपनी ने कहा था कि वह गेंद को चमकाने के लिए जल्द ही वैक्स एप्लीकेटर (मोम से बना केमिकल) लेकर आ रही है। कंपनी के मुताबिक, स्पंज के ऊपरी हिस्से पर खास तरह के मोम की परत होगी। इसे प्लेयर्स या अंपायर आसानी से जेब में रख सकेंगे। ऑस्ट्रेलियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स ने साफ कर दिया है कि भविष्य में गेंद चमकाने के लिए थूक, पसीने या लार का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा।

बाबर बेहतरीन, उसकी कोहली से तुलना ठीक नहीं: यूनिस

कराची ■ एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान यूनिस खान का मानना है कि विराट कोहली और बाबर आजम की तुलना कम से कम पांच साल बाद होनी चाहिए क्योंकि भारतीय कप्तान ने हर तरह की परिस्थितियों में खुद को साबित किया है जबकि पाकिस्तान के सीमित ओवरों के कप्तान को ऐसा करना है। टेस्ट क्रिकेट में पाकिस्तान के सबसे सफल बल्लेबाज यूनिस ने कहा विराट कोहली बाबर से कहीं अधिक अनुभवी है। उसके पास शीर्ष स्तर का क्रिकेट खेलने का कम से कम पांच साल का अधिक अनुभव है और वह अपने करियर के शीर्ष पर है। उन्होंने कहा, कोहली को बाबर से कहीं अधिक अनुभव मिला है और उसने हर तरह के हालात का सामना किया है और खुद को साबित भी किया है। कोई भी आसानी से 70 अंतरराष्ट्रीय शतक नहीं बना सकता और यह उसके स्तर और क्षमता का सबूत है। उसने प्रत्येक हालात और सभी विरोधी टीमों के खिलाफ रन बनाए हैं। यूनिस ने कहा कि बाबर को अब भी लंबा रास्ता तय करना है। सभी तीनों प्रारूपों में उसका बल्लेबाजी औसत काफी प्रभावशाली है और वह लगातार बेहतर हो रहा है। यूनिस ने कहा आप उसे बल्लेबाजी करते हुए देखो और आप देख सकते हैं कि उसमें वे सभी गुण हैं जो कोहली में अपने करियर की शुरूआत में थे।

टी-20 वर्ल्ड कप टला तो अक्टूबर में हो सकती है लीग

आईपीएल: यात्रा प्रतिबंध और मानसून के कारण 4 महीने तक होने के आसार कम

- गृह मंत्रालय की नई गाइडलाइन में स्टेडियम और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स खोलने की छूट
- घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें 31 मई तक बंद, लिहाजा आईपीएल जैसे टूर्नामेंट नहीं हो सकेंगे
- टीम इंडिया को अगले तीन महीने में श्रीलंका, जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज खेलनी है, सितंबर में एशिया कप

नई दिल्ली ■ एजेंसी

गृह मंत्रालय ने रविवार रात लॉकडाउन के चौथे फेज के लिए गाइडलाइन जारी कर दी। इसमें स्टेडियम और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स खोलने की मंजूरी तो दी। लेकिन घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर प्रतिबंध कम से कम 31 मई तक जारी रहेगा। ऐसे में घरेलू और विदेशी दोनों खिलाड़ी यात्रा नहीं कर सकेंगे। इसलिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले 4 महीने तक होने के आसार कम हैं। बीसीसीआई ने भी बयान जारी कर कहा है कि केंद्र सरकार ने 31 मई तक हवाई यात्रा पर लगी पाबंदियों को जारी रखा है। ऐसे में बोर्ड खिलाड़ियों की ट्रेनिंग या टूर्नामेंट शुरू करने को लेकर जल्दबाजी नहीं करेगा। भारत में मानसून सीजन 1 जून से 30 सितंबर तक होता है। हालांकि, इस पैटर्न में बदलाव देखा जा रहा है। देश के ज्यादातर हिस्सों में यह 15 जून तक ही सक्रिय हो पाता है। इस बार भी केरल में मानसून 4 दिन की देरी से आएगा। आईपीएल के संदर्भ में बात करें तो मानसून को देखते हुए जून से मध्य अक्टूबर तक इसका भारत में होना लगभग नामुमकिन है।

सितंबर तक इंडिया का व्यस्त शेड्यूल

टीम इंडिया को जून-जुलाई में श्रीलंका से उसी के घर में 3 वनडे और 3 टी-20 की सीरीज खेलनी है। इसके बाद अगस्त में जिम्बाब्वे दौरे पर 3 वनडे खेलने हैं। अगले महीने ही एशिया कप भी होना है। भारतीय टीम अगस्त के तीसरे हफ्ते से लेकर 15 नवंबर तक व्यस्त रहेगी। इस दौरान केवल 7 दिन का गैप रहेगा। अगर बीसीसीआई आईपीएल के लिए एक तरफा फैसला लेकर इन सीरीज को रद्द करता है, तो आईसीसी उसके खिलाफ कार्रवाई कर सकता है।

फ्रेंचाइजी मालिकों का क्या कहना है

आईपीएल के फ्रेंचाइजी ओनर को अभी भी लीग के होने की उम्मीद है। लेकिन इससे पहले कई जमीनी काम हैं, जिसे टूर्नामेंट के आयोजन के लिए पूरा करना जरूरी है। चेन्नई फ्रेंचाइजी के सीईओ काशी विश्वनाथन का कहना है कि सरकार का आदेश सकारात्मक है। लेकिन हमें देखना होगा कि कब दर्शकों को स्टेडियम में आने की अनुमति मिलती है। अगर आपको यात्रा करने की अनुमति नहीं है तो आप कैसे खेलेंगे? अभी भी कंटेनमेंट जोन में कई तरह की पाबंदियां लागू हैं।

बंद स्टेडियम में टूर्नामेंट होने की उम्मीद: केकेआर

कोलकाता फ्रेंचाइजी के सीईओ वैंकी मैसूर ने कहा- मुझे लगता है कि साल के अंत तक हालात सुधार जाएंगे, तब लीग कराई जा सकती है। अगर हम आईपीएल को कराने में सफल रहे तो यह मानकर चलिए कि टूर्नामेंट बंद स्टेडियम में ही होगा। दुनिया में जहां भी खेल गतिविधियां शुरू हुई हैं। वहां यही तरीका अपनाया गया है। यह सही है कि इसके कारण टिकट से होने वाली कमाई, फूड और बेवरेज और टीम से जुड़े सामान से होने वाली कमाई पर असर पड़ेगा।

गेंद सरकार और बोर्ड के पाले में: किंग्स इलेवन पंजाब

पंजाब के सीईओ सतीश मेनन का कहना है कि अब बीसीसीआई और सरकार को यह तय करना है कि क्या वे आईपीएल का 13वां सीजन कराना चाहते हैं या नहीं। मुझे लगता है कि खिलाड़ियों और देश की सुरक्षा सर्वोपरि है। अगर आईपीएल खाली स्टेडियम में होता है तो भी खिलाड़ियों, फ्रेंचाइजियों को इससे खुशी ही होगी।

हम जल्दबाजी में ट्रेनिंग नहीं शुरू करेंगे: बीसीसीआई

बोर्ड कोषाध्यक्ष अरूण धूमल ने कहा ने कहा, हमारे लिए खिलाड़ियों की सुरक्षा अहम है। ऐसा कोई फैसला नहीं लिया जाएगा, जिससे कोरोना से निपटने की भारत की कोशिशों पर असर पड़े।

अक्टूबर में टी-20 वर्ल्ड कप

इस साल ऑस्ट्रेलिया में टी-20 वर्ल्ड कप होना है। टूर्नामेंट 18 अक्टूबर से 15 नवंबर तक होगा। अगर टी-20 वर्ल्ड कप टलता या रद्द होता है तो आईपीएल की संभावना नवंबर के आखिर से पूरे दिसंबर तक हो सकती है।

आईसीसी की बोर्ड मीटिंग में टी-20 वर्ल्ड कप फैसला

28 मई को आईसीसी की बोर्ड मीटिंग होने वाली है। इसमें ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप की किस्मत को लेकर फैसला होगा। इस बैठक पर बीसीसीआई और आईपीएल फ्रेंचाइजियों की नजर है। खाली स्टेडियम में मैच कराने को लेकर भारतीय कप्तान विराट कोहली का कहना है कि ईमानदारी से कहूं तो हमें दर्शकों की भीड़ के सामने खेलने की आदत है। ऐसे में अगर बगैर फैन्स के मैच होते हैं तो है पता नहीं खिलाड़ी इसे कैसे लेंगे। बीसीसीआई कोषाध्यक्ष अरूण धूमल पहले ही कह चुके हैं कि आईपीएल को सीधे रद्द नहीं किया जा सकता है। अगर टूर्नामेंट रद्द होता है, तो करीब 3 हजार करोड़ रुपए का नुकसान होगा।

वर्ल्ड टेनिस स्टार सेरेना ने पति के प्यार के पहले पल का वीडियो किया साझा

न्यूयार्क ■ एजेंसी

अमेरिका की शीर्ष महिला टेनिस स्टार सेरेना विलियम्स ने अपने पति और रेडिट के सह-संस्थापक ऐलेक्सिस ओहेनियन के साथ अपनी पहली मुलाकात को एक बार फिर से याद किया है। 23 बार ग्रैंड स्लैम विजेता सेरेना ने इंस्टाग्राम पर पति के साथ एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें उनके पति यह कहते हुए नजर आ रहे हैं कि वीडियो में की जा रही डाइविंग उनके घर के पास की है। सेरेना ने वीडियो में कहा, यह सफर पांच-छह साल पहले रोम में शुरू हुआ था। वह मेरी टेबल पर आकर बैठ गए थे। मैंने उन्हें टेबल छोड़ने को कहा तो उन्होंने ऐसा करने से मना कर दिया। उन्होंने कहा, मुझे वह गर्म लग रहा था। मैंने उनसे पूछा कि क्या उन्हें ट्रफल्स पसंद हैं। उन्होंने कहा- हां। आखिरकार मैंने भी हां कह दिया और पांच-छह साल बाद अब हम यहां हैं। सेरेना और ओहेनियन की 2016 में सगाई हुई थी और सितंबर 2017 में उन्हें बेटी हुई थी। सेरेना जब नौ माह गर्भ से थी तो वह आस्ट्रेलियन ओपन जीती थी। लंबे ब्रेक के बाद वह फरवरी 2018 में अपनी बहन वीनस विलियम्स के साथ फेड कप में लौटी थी। उन्होंने उसी साल फ्रेंच ओपन में भी वापसी की थी। इस बीच, पेशेवर टेनिस संघ और महिला टेनिस संघ ने अपने-अपने टूर के निलंबन को जुलाई अंत तक के लिए बढ़ाने का फैसला किया है। एटीपी ने एक बयान में कहा, एटीपी ने कोविड-19 महामारी के कारण अपने एटीपी टूर को 31 जुलाई 2020 तक के लिए टाल दिया है।

जर्मनी में डोर्टमेंट के राफेल गुवेरियो बुंदेलसगा लीग फुटबॉल मुकाबले में साल्के के खिलाफ अपनी टीम की ओर से चौथा गोल दागते हुए।

तबलीगी जमात के फॉलोअर हैं मोदी पर विवादित बयान देने वाले अफरीदी

कराची ■ एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वह भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कश्मीर को लेकर विवादास्पद टिप्पणी करते दिख रहे हैं। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी सोशल मीडिया पर वायरल अपने एक वीडियो में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कश्मीर को लेकर विवादास्पद टिप्पणी देते दिख रहे हैं।

इससे पहले एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि शाहिद अफरीदी समेत कई दिग्गज क्रिकेटर तबलीगी जमात के फॉलोअर्स हैं। इनमें अफरीदी के अलावा पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम उल हक भी शामिल हैं। तबलीगी जमात के फॉलोअर्स पर भारत में घातक कोरोना वायरस के फैलाव को लेकर भी आरोप लगे थे। सोशल मीडिया से लेकर आम लोगों तक ने यह कहा था कि यदि तबलीगी जमात के फॉलोअर्स दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन में इकट्ठा नहीं होते तो कोरोना वायरस भारत में इतना नहीं फैलता और लॉकडाउन को बढ़ाना नहीं पड़ता।

तबलीगी जमात की सदस्यता को लेकर कोई आधिकारिक लिस्ट तो नहीं है लेकिन दावा किया गया था कि पाकिस्तान के कई क्रिकेटर जैसे मोहम्मद यूसुफ, सकलैन मुश्ताक और मुश्ताक अहमद भी इसके फॉलोअर हैं। इतना ही नहीं, साउथ अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाजों में शुमार हाशिम अमला भी इस मूवमेंट के फॉलोअर रहे है।

राहत पैकेज केंद्र सरकार ने कोरोना राहत पैकेज में की है इस स्कीम की घोषणा

इसी सप्ताह लांच हो सकती है एमएसएमई को 3 लाख करोड़ रुपए के लोन की गारंटी स्कीम, 9.25 फीसदी होगा ब्याज

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कोरोना आपदा से निपटने के लिए सरकार के लिए सरकार ने प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा की है। इस पैकेज में माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज (एमएसएमई) के लिए तीन लाख करोड़ रुपए की गारंटी स्कीम का ऐलान किया गया है। एक वरिष्ठ बैंक अधिकारी के मुताबिक यह स्कीम इसी सप्ताह लॉन्च हो सकती है। बैंक अधिकारी ने पीटीआई से बातचीत में कहा कि एमएसएमई को यह कोलैटरल फ्री (बिना गिरवी) लोन बैंकों की ओर से 9.25 फीसदी की आकर्षित ब्याज दर पर उपलब्ध कराए जा सकते हैं। मौजूदा समय में बैंक जोखिम को ध्यान में रखते हुए एमएसएमई सेक्टर को 9.5 फीसदी से लेकर 17 फीसदी तक की विभिन्न ब्याज दरों पर लोन उपलब्ध कराते हैं। बैंक अधिकारी ने कहा कि नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनीज (एनबीएफसी) की ओर से दिए जाने वाले लोन पर अधिकतम 14 फीसदी की ब्याज दर की कैपिंग लगाई जा सकती है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 20 लाख करोड़ रुपए के कोरोना राहत पैकेज की 5 किस्तों में घोषणा की है। इसी के तहत 13 मई को पहली किस्त में वित्त मंत्री ने छोटे कारोबारियों को राहत देने के मकसद से आउटस्टैंडिंग क्रेडिट के 20 फीसदी के बराबर अतिरिक्त वर्किंग कैपिटल भी देने की घोषणा की थी। यह अतिरिक्त वर्किंग कैपिटल सस्ती ब्याज दरों पर टर्म लोन के रूप में दी जाएगी। यह लोन 25 करोड़ तक की आउटस्टैंडिंग और 100 करोड़ तक टर्नओवर वाले कारोबारियों को दिया जाएगा।

देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है एमएसएमई

एमएसएमई सेक्टर की देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। इस सेक्टर का देश की जीडीपी में करीब 28 फीसदी और कुल निर्यात में करीब 40 फीसदी का योगदान है। देश में यह सेक्टर कृषि के बाद सबसे ज्यादा करीब 11 करोड़ लोगों को रोजगार देता है। इसके अलावा लोन डिफाल्ट वाली एमएसएमई को राहत देने के लिए 20 हजार करोड़ के सबोर्डिनेट कर्ज का ऐलान किया गया है। इससे करीब 2 लाख कारोबारी लाभान्वित होंगे। इसके अलावा एमएसएमई के लिए एक फंड्स का फंड भी बनाया जाएगा। सरकार इसमें 50000 करोड़ इक्विटी डालेगी। इसके अलावा ज्यादा से ज्यादा निवेश का आकर्षित करने के लिए सरकार एमएसएमई की परिभाषा में भी बदलाव करेगी।

एमजी मोटर इंडिया एमजी नर्चर प्रोग्राम के तहत 200 छात्रों को प्रशिक्षित करेगा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

बड़े पैमाने पर समुदाय की सेवा के लिए अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए एमजी मोटर इंडिया ने एमजी नर्चर प्रोग्राम की घोषणा की है। यह छात्रों को प्रशिक्षण देने पर केंद्रित अपनी तरह का पहला स्टूडेंट सपोर्ट प्रोग्राम है। यह पहल लगभग 200 छात्रों को मार्केट-फोक्सड स्किल सेट से लैस करेगी और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करेगी।

इस कठिन समय में और विस्तारित लॉकडाउन के समय में एमजी मोटर इंडिया की पहल का उद्देश्य स्टूडेंट कम्युनिटी को स्किल से लैस करना है जो भविष्य में उनके कैरियर संभावनाओं को बढ़ाएगा। इसके बदले में कार निमार्ता देश के युवाओं के क्रिएटिव और इनोवेटिव विचारों का लाभ उठाएगा। एमजी नर्चर प्रोग्राम के लिए स्क्रीनिंग टेस्ट में कॉलेज देखो अपने इकोसिस्टम के जरिये समर्थन देगा। इसमें एक इंडस्ट्री-फर्स्ट रोबोटिक चयन प्रक्रिया होगी, जिसे दूसरे स्टार्ट-अप इव्यूमी द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा। प्रोग्राम का विशेष आकर्षण उच्च अध्ययन के लिए कुछ छात्रवृत्ति प्रदान करने का है।

एमजी मोटर इंडिया के अध्यक्ष और मैनेजिंग डायरेक्टर राजीव चाबा ने इस पहल पर कहा, ₹इस मुश्किल समय में एमजी नर्चर प्रोग्राम हमें छात्रों तक पहुंचने और उन्हें भविष्य में बाजार के लिए तैयार रहने में सक्षम बनाएगा। यह प्रोग्राम जून से आठ हफ्ते की अवधि के लिए शुरू होगा और हमारा फोकस इसके बाद कुछ प्रतिभाशाली छात्रों को नौकरी के अवसर प्रदान करने पर भी होगा। यह पहल छात्रों को सीखने का शानदार अनुभव देने और हमारे देश में एक फॉरवर्ड-लुकिंग टैलेंट पूल बनाने के लिए शुरू की गई है।ह्व

एमजी नर्चर उन कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत नवीनतम पहल है, जिसके तहत ऑटोमेकर ने समाज और समुदाय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया है। इस के इनक्लूसिव फिलोसॉफी के एक हिस्से के तौर पर प्रोग्राम के तहत 50:50 के अनुपात पुरुषों और महिलाओं को शॉर्टलिस्ट किया जाएगा। कार निर्माता ने ब्रिटेन और भारत के बीच एमजी ब्रिज टू-वे क्रॉस-कल्चरल एक्सचेंज प्रोग्राम की पहल भी की गई थी।

कलेक्टर, एसपी एवं जनप्रतिनिधियों ने अग्नि दुर्घटना में मृत 7 व्यक्तियों के

परिजनों को दी 28 लाख की सहायता

ग्वालियर। रोशनी घर इन्दरगंज के पास स्थित पेंट एवं पीओपी, पुट्टी आदि की दुकान में सोमवार को अचानक आग लगने के कारण गोयल परिवार के 7 लोगों की जलकर दुःखद मृत्यु हो गई थी। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रत्येक मृतक के परिजनों को 4 लाख रूपए के मान से कुल 28 लाख की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की थी, जो आज मृतकों के परिजनों के बैंक खातों में जमा कर दी गई है।

कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री नवनीत भसीन, भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष श्री कमल माखीजानी एवं पूर्व विधायक श्री मुन्नालाल गोयल, एसडीएम लश्कर श्री सी बी प्रसाद सहित जनप्रतिनिधियों ने इंदरगंज में मृतकों के निवास पहुँचकर परिजनों से घटना के संबंध में चर्चा कर राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत कुल 28 लाख की आर्थिक सहायता राशि के पत्र प्रदान किए। कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं पूर्व विधायक ने परिजनों से घटना के संबंध में चर्चा करते हुए घटना को दुःखद बताते हुए कहा कि भविष्य में इस प्रकार की घटना न हो, इसके लिये विशेष प्रबंध किए जायेंगे। अग्निकांड के कारण जो अन्य क्षति हुई है। उसका आंकलन कर मुख्यमंत्री सहायता कोष के तहत प्रकरण तैयार कराए जायेंगे। जिससे नियमानुसार सहायता राशि प्राप्त हो सके। सोमवार को हुई अग्निदुर्घटना में कु. आराध्या (4 वर्ष) पुत्री सुमित गोयल, आर्यन (10 वर्ष) पुत्र साकेत गोयल, शुभि (13 वर्ष) पुत्री श्याम गोयल, आरती (37 वर्ष) पत्नी श्याम गोयल, शकुन्तला (60 वर्ष) पत्नी जयकिशन गोयल, प्रियंका (33 वर्ष) पत्नी साकेत गोयल और मधु (55 वर्ष) पत्नी हरिओम गोयल की मृत्यु हो गई थी।

महेश बाथम को मिलेगी पुरस्कार राशि -इंदरगंज के पास सोमवार को पेंट एवं पीओपी पुट्टी की दुकान में हुए अग्निकांड के दौरान श्री महेश बाथम पुत्र गणेशराम बाथम द्वारा अपनी जान की परवाह किए बिना एक 6 वर्ष की बच्ची को सुरक्षित निकालकर लाया गया। इस साहसिक कार्य के लिये कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने 11 हजार रूपए पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र देने की घोषणा की है, जबकि पूर्व विधायक श्री मुन्नालाल गोयल ने श्री बाथम को 5 हजार 100 रूपए की राशि पुरस्कार के रूप में प्रदान कर कार्य की सराहना की।

गैर घरेलू एवं औद्योगिक इकाईयों के बिलो में पुरानी रिकवरी जोड़े जाने एवं जबरन वसूली की कार्यवाही नहीं की जाए साथ ही

उपभोक्ताओं का वितरण कंपनी द्वारा शोषण किये जाने की साजिश को भी रोका जाए : चेम्बर ऑफ कॉमर्स

ग्वालियर। म. प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा गैर घरेलू एवं औद्योगिक इकाईयों के बिलों में वर्ष 2014 की रिकवरी राशि निकाल कर, नियमित बिलों में जोड़कर भेजी जा रही है, जिसकी कोई जानकारी व डिटेल उपभोक्ताओं को नहीं दी जा रही है। उपभोक्ता को बिना जानकारी दिये बिना, इस तरह की राशि वसूले जाने के मानसिक व आर्थिक दबाव के कारण उपभोक्ता का संतुलन गड़बड़ा गया है। वितरण कंपनी का यह कृत्य आपराधिक श्रेणी में भी आता है। इस संबंध में चेम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा कड़ी आपत्ति व्यक्त करते हुए आज मुख्यमंत्री-माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान, केन्द्रीय मंत्री-माननीय श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, पूर्व केन्द्रीय मंत्री-श्रीमंत ज्योतिरादित्य जी सिंधिया, सांसद-माननीय श्री विवेकनारायण शेजवलकर, पूर्व मंत्री म. प्र. शासन-माननीय श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, विधायक-श्री प्रवीण पाठक एवं पूर्व विधायक-श्री मुन्नालाल गोयल सहित प्रबंध संचालक, म.प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कं. लि.,भोपाल तथा अध्यक्ष, म.प्र. पॉवर जनरेटिंग कं.लि., जबलपुर को चेम्बर ने लिखे पत्र प्रेषित किए गए हैं।

चेम्बर के अध्यक्ष-विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष-प्रशान्त गंगवाल, उपाध्यक्ष-पारस जैन, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-ब्रजेश गोयल एवं कोषाध्यक्ष-वसन्त अग्रवाल ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में अवगत कराया है कि म. प्र. विद्युत प्रदाय संहिता की कंडिका 8.33 के मुताबिक ÷अतिरिक्त प्रतिभूति निक्षेप की मांग को छोड़कर, अंकेक्षण अथवा सतर्कता संबंधी वसूली तथा अन्य बकाया राशि की वसूली के लिए अनुज्ञप्तिधारी द्वारा पृथक देयक मासिक आधार पर जारी किये जाएंगे, जिसके अंतर्गत ऐसे देयकों के साथ देयक तैयार करने के आधार का विवरण तथा देयक की अवधि इत्यादि लिखित में प्रदान की जाएगी। उपरोक्त देयकों का भुगतान निर्दिष्ट की गई अवधि (जो 15 पूर्ण दिवस से कम न होगी) की बकाया राशि को उपभोक्ता के आगामी देयकों में निरन्तर जोड़ा जाएगा, जब तक उपभोक्ता द्वारा देयक का भुगतान नहीं कर दिया जाता है अथवा उसका समायोजन नहीं कर दिया जाता। जहां कहीं मापयंत्र वाचन उपकरण डाउनलोड सुविधा उपलब्ध कराई गई हो, वहां अनुज्ञिप्तिधारी द्वारा समस्त संयोजनों के मापयंत्र वाचन उपकरण के माध्यम से मासिक मापयंत्र वाचन प्राप्त करने के सभी संभव प्रयास किये जायेंगे।÷ इतना स्पष्ट प्रावधान होने के बावजूद भी उपभोक्ता के बिल में जोड़कर राशि को भेजा जा रहा है।

चेम्बर ने पत्रों के माध्यम से मांग की है कि :-

1. तत्काल जोड़ी गई राशि को हटाया जावे और सीधे ऐसी राशि को जोड़ने व वसूली के लिए दाबाव बनाने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाये।
2. जिन उपभोक्ताओं द्वारा इस राशि के कारण बिल जमा नहीं किये गये हैं, उनसे सरचार्ज की राशि वसूल न की जावे। चेम्बर ने माँग की है कि उपरोक्त मांगों पर तत्काल निर्णय लेकर सूचित किया जाए, अन्यथा की स्थिति में चेम्बर द्वारा कारोबारियों को साथ लेकर संस्थान बंद कर, चाबियां वितरण कंपनी को सौंपी जायेंगी, जिसकी सारी जिम्मेदारी वितरण कंपनी की होगी।

उपभोक्ताओं का वितरण कंपनी द्वारा शोषण किये जाने की साजिश को भी रोका जाए : चेम्बर ऑफ कॉमर्स-चेम्बर पदाधिकारियों ने कहा है कि म. प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं का इस आपदाकाल में अनाप-शनाप बिल भेजकर उत्पीड़न किया जा रहा है। यह उत्पीड़न सरकार के प्रति सोची-समझी साजिश प्रतीत होती है इसके पीछे हमारे तर्क इस प्रकार हैं -

1. लॉकडाउन अवधि के दौरान उपभोक्ताओं के यहां मीटर रीडिंग नहीं हो रही है, जिसके चलते उपभोक्ताओं को आंकलित खपत के बिल दिये जा रहे हैं। आंकलित खपत नियमानुसार पिछले तीन माह की औसत खपत के आधार पर लगाई जानी चाहिए जबकि वितरण कंपनी द्वारा गत वर्ष के माह अनुसार आंकलित खपत लगा रही है, जो कि अनुचित एवं असंवैधानिक है। कारण है कि लॉकडाउन के दौरान दुकानें/संस्थान बंद है जिसके चलते विद्युत की खपत गत वर्ष की तुलना में इस अवधि में न के बराबर है। वहीं गत वर्ष की तुलना में गर्मी भी कम पड़ी है।
2. विद्युत प्रदाय संहिता 2013 की कंडिका 11.3 के मुताबिक किसी भी आपदा/विपदा काल में 10 दिन से ज्यादा कार्य बंद रहता है तो जितने दिन इकाई बंद रहती है उतने दिन के फिक्स्ड चार्ज व मिनिमम चार्ज की वसूली नहीं कर सकते। इस प्रचलित नियम के बावजूद भी विद्युत वितरण कंपनी द्वारा व्यापारिक/औद्योगिक इकाईयों के बिलों में लॉकडान अवधि का फिक्स्ड चार्ज एवं मिनिमम चार्ज जोड़कर बिल जारी किये जा रहे हैं जो कि पूर्णतः अनुचित एवं नियम विरूद्ध है।
3. विद्युत प्रदाय संहिता 2013 की कंडिका 11.2 के मुताबिक ऐसे कठिन समय में उपभोक्ता की संविदा मांग में अधिकतम 6 माह की कमी उपभोक्ता के चाहे गये आधार पर की जाना चाहिए। वितरण कंपनी के संबंधित कार्यालयों में उपभोक्ताओं द्वारा आवेदन दिए जा रहे हैं, जिन पर कार्यवाही नहीं की जा रही है और उपभोक्ताओं की संविदा मांग में कमी नहीं की जा रही है।
4. हाई वैल्यू उपभोक्ताओं पर पिछले 5-5 साल पुरानी रिकवरी निकाल कर, बिल जमा करने के लिए बाध्य किया जा रहा है और बिल जमा न करने पर कनेक्शन काटे जा रहे हैं। जबकि नियमानुसार किसी उपभोक्ता पर यदि ऐसी कोई रिकवरी हो तो उसे पहले नोटिस दिया जाना चाहिए और उपभोक्ता को उसका पक्ष रखने का मौका दिया जाना चाहिए। वितरण कंपनी द्वारा ऐसा न करते हुए तानाशाही पूर्वक कार्यवाही करते हुए कनेक्शन काटकर उपभोक्ताओं की मानहानि की जा रही है, जबकि विद्युत प्रदाय संहिता 2013 की धारा 8.33 के मुताबिक इसे नहीं वसूला जा सकता है।

चेम्बर ने माँग की है कि वितरण कंपनी के इस उत्पीड़नात्मक रवैये को रोका जाए। यदि इसे नहीं रोका गया, तो उपभोक्ताओं द्वारा वितरण कंपनी के विरूद्ध बड़ा आंदोलन की किया जायेगा, जिसमें चेम्बर अग्रणी भूमिका निभायेगा।

अग्निकाण्ड पीड़ित गोयल परिवार को मुख्यमंत्री द्वारा

28 लाख रुपये की धनराशि के चैक मुहैया कराए जाने पर आभार

अग्निकाण्ड पीड़ित गोयल परिवार को मुख्यमंत्री द्वारा 28 लाख रुपये की धनराशि के चैक मुहैया कराए जाने पर चेम्बर ऑफ कॉमर्स ने मुख्यमंत्री-माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान, केन्द्रीय मंत्री-माननीय श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, पूर्व केन्द्रीय मंत्री-श्रीमंत ज्योतिरादित्य जी सिंधिया, सांसद-माननीय श्री विवेकनारायण शेजवलकर, पूर्व मंत्री म. प्र. शासन-माननीय श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर एवं पूर्व विधायक-श्री मुन्नालाल गोयल के प्रति किया आभार व्यक्त

ग्वालियर, 19 मई। शहर के मध्य स्थित प्रमुख व्यवसायिक क्षेत्र, रोशनी घर रोड पर पेंट एवं केमिकल व्यवसाई- गोयल परिवार की दुकान में हुए भीषण अग्निकाण्ड में तीन बच्चे और चार महिलाओं की मौत होने पर चेम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा अत्यन्त दुःख एवं शोक संवेदनाएँ व्यक्त करते हुए, म. प्र. सरकार से पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दिए जाने की माँग की गई थी, जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री-माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा पीड़ित गोयल परिवार को आर्थिक सहायतार्थ रु. 28 लाख के चैक कलेक्टर-श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, एस. पी.-श्री नवनीत भसीन, पूर्व विधायक-श्री मुन्नालाल गोयल के माध्यम से उपलब्ध कराए। चेम्बर ऑफ कॉमर्स की माँग पर राज्य सरकार द्वारा पीड़ित परिवार को आज 28 लाख रुपये की आर्थिक मदद दिए जाने पर एमपीसीसीआई ने मुख्यमंत्री-माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान, केन्द्रीय मंत्री-माननीय श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, पूर्व केन्द्रीय मंत्री-श्रीमंत ज्योतिरादित्य जी सिंधिया, सांसद-माननीय श्री विवेकनारायण शेजवलकर, पूर्व मंत्री म. प्र. शासन-माननीय श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर एवं पूर्व विधायक-श्री मुन्नालाल गोयल के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ के राष्ट्रीय सचिव

ख्यालेन्द्र प्रजापति जी की के सोशल डिस्टेंसिंग के दिशानिर्देश अनुसार कल

अमित शर्मा रिपोर्टर

ग्वालियर / राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ ग्वालियर द्वारा कोरोना योद्धाओं का पुलिस-प्रशासन द्वारा राष्ट्रीय को सुरक्षित रखने के लिए दिन रात एक कर घर परिवार सबसे दूर रहकर भूख प्यास सहन कर जनता जनार्दन की सेवा में तत्पर हैं ऐसे समस्त पुलिस स्टाफ को माला अर्पण कर स्वागत एवं सम्मान किया गया इसी प्रकार राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ ग्वालियर द्वारा अति जरूरतमंद परिवार एवं निराश्रित विधवा विकलांग किसी दुर्घटना घटित परिवार गरीब बेरोजगार लोगों को खाद सामग्री की किट या सामग्री पैकेट वितरण करने का कार्य किया जा रहा है कोटी कोटी धन्यवाद आज राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ ग्वालियर की ओर से आप सभी न्यूज़ चैनल जोकि एस के एस न्यूज़ चैनल एसआरबी न्यूज़ चैनल डी न्यूज़ चैनल, द संघर्ष न्यूज़ चैनल पुष्पांजलि न्यूज़ चैनल ,श्रीराम एक्सप्रेस सुदर्शन एक्सप्रेस स्वतंत्र समय , दैनिक समय जगत एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रिंट मीडिया मेरे पत्रकार साथियों को कोटि-कोटि आभार व्यक्त करते हैं।

शहर के विभिन्न कारोबारी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ चेम्बर का मंथन

कल से बाजारों को खोले जाने की प्रशासन की तैयारियों व मानकों से चेम्बर ने व्यापारियों को कराया अवगत-व्यापारी बोले-हम करेंगे मानकों का पालन

ग्वालियर । चेम्बर की मांग पर जिला प्रशासन द्वारा कल से बाजारों को खोले जाने की गाइडलाइन व मानकों से अवगत कराने हेतु शहर के विभिन्न कारोबारी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ चेम्बर ने आज 'चेम्बर भवन' में चर्चा की। कार्यक्रम के प्रारंभ में चेम्बर अध्यक्ष-विजय गोयल ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि 56 दिनों के लॉकडाउन के बाद जिला प्रशासन द्वारा नई गाइडलाइन व मानकों के साथ कल से बाजार खोले जा रहे हैं जिसके संबंध में आज जिला प्रशासन के साथ चेम्बर पदाधिकारियों की बैठक हुई7 जिला प्रशासन का आज धारा-144 के तहत जो आदेश आयेगा उसमें कल से सभी बाजारों को सुरक्षा मानकों के साथ खोला जायेगा7 जिसके तहत सभी बाजारों में पट्टीवाइज दुकानें खोली जायेंगी7 हम सबको जिला प्रशासन की गाइडलाइन को मानते हुए बाजार खोलना है जिसके संबंध में आज यह बैठक आयोजित की गई है7 शहर के बाजारों की सभी एसोसिएशन अपने बाजारों की दुकानों पर सुरक्षा मानकों के पोस्टर लगायें ताकि दुकानदार व ग्राहक दोनों ही गाइडलाइन का पालन करें।

संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल ने कहा कि प्रशासन द्वारा जारी गई गाइडलाइन अनुसार हम यदि अपने बाजार खालेंगे और अनुशासन का पालन करेंगे तो शीघ्र हम मार्च माह के अपने स्वतंत्र कारोबार की ओर पहुंच सकते हैं। मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने बताया कि प्रशासन द्वारा कल से बाजारों को अनुमति की जो गाइडलाइन जारी की जायेगी उसका हम सभी को कड़ाई से पालन करना है7 दुकान के सामान न रखें, सोशल डिस्टेंसिंग का स्वयं पालन करें और ग्राहक से भी करवायें7 यथासंभव अपने वाहन बाजारों में लेकर न आयें ताकि ग्राहक बाजार में आपने वाहन पार्क कर सकें, निर्धारित स्थान पर ही पार्किंग हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाये7 यदि हम नियमों का कड़ाई से पालन करेंगे तो यह हमारे व्यापार शहर के स्वास्थ्य के लिए बेहतर होगा और हम कोरोना जैसी महामारी से बचे रहेंगे7 गाइडलान आज सायं 5 बजे तक आना थी इसलिए यह बैठक 5 बजे आयोजित की गई थी, अभी फिलहाल यह जारी नहीं हुई आते ही इसका सरलीकरण आप सबको व्हाट्सएप के माध्यम से अवगत कराया जायेगा। मानसेवी संयुक्त सचिव ब्रजेश गोयल ने कहा कि सभी बाजारों के प्रतिनिधि व्यापारियों को मोटिवेट करें ताकि वह स्वयं अनुशासनपूर्वक गाइडलाइन का पालन कर सके7 प्रशासन सकारात्मक रूप से व्यापार व सुरक्षा दोनों की चिंता कर रहा है। कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल ने कहा कि संकेत आ रहा है कि कल से बाजार खुल रहे हैं, कोरोना के साथ हमें कैसे कार्य करना है, यह हम सीख गये हैं7 यदि हम व्यवसाय करते वक्त सैनिटाइजर, मास्क, गिलव्स जैसे मानकों का पालन करेंगे तो निश्चित ही हम इससे बचाव कर पायेंगे। इस अवसर पर ग्वालियर लोहा व्यवसायी संघ के सचिव- निर्मल जैन, सिंध व्यापार मण्डल से दिलीप पंजवानी, नजरबाग मार्केट के अध्यक्ष-सुरेश बंसल, टिम्बर व्यवसायी संघ से आशीष जैन, वस्त्र व्यवसायी संघ से राकेश बंसल, अभिनंदन जैन, गांधी मार्केट से चावला जी, ग्वालियर होलसेल क्लॉथ एसोसिएशन के सचिव-विजय जाजू, सोना-चांदी व्यवसय संघ के अध्यक्ष-पुरूषोत्तम जैन, उपनगर ग्वालियर से राजेन्द्र अग्रवाल, ज्येन्दगंज से उमेश उप्पल, मुरार से अनिल अग्रवाल, व्यापार समिति दाल बाजार के अध्यक्ष-गोकुल बंसल, सचिव मनीष बांदिल, नया बाजार से राजकुमार गर्ग डेयरी व्यवसाय संघ से-दिलीप अग्रवाल, नमकीन व्यवसाय से विष्णु बसंल, ग्रेटर ग्वालियर सेनेटरी डीलर एसोसिएशन के अध्यक्ष-आशुषतोष द्विवेदी, होटल हलवाई संघ के के अध्यक्ष-महेश शर्मा, पान विक्रेता एसोसिएशन से प्रदीप गोयल, खेरीज किराना व्यवसायी संघ से दिलीप खण्डेलवाल, रेडीमेड होलसेल व्यवसायी संघ से गोपाल जायसवाल, टोपी बाजार संघ से संदीप वैश्य, बर्तन व्यवसायी संघ से रामअवतार, सुभाष मार्केट एसोसिएशन से गोपाल छावड़ा आदि ने एकराय होकर चेम्बर को बाजार खुलवाने के प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया तथा आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन की गाइडललाइन व सुरक्षा मानकों का पालन करेंगे।

कोरोना का नहीं करेंगे रोना
मंथन
MPCCI

ग्वालियर-चंबल संभाग में मंगलवार को 7 हजार से अधिक श्रमिकों को भेजा उनके घर

ग्वालियर। कोविड-19 के संक्रमण को रोकने हेतु देश में लागू लॉकडाउन के कारण देश के विभिन्न राज्यों में प्रदेश के एवं सीमावर्ती राज्यों के फँसे प्रवासी श्रमिकों को उनके घरों तक पहुँचाने की व्यवस्था मध्यप्रदेश सरकार द्वारा की गई है। प्रदेश सहित अन्य राज्यों में फँसे मजदूरों को लाने का सिलसिला निरंतर जारी है। इसी क्रम में मंगलवार को ग्वालियर एवं चंबल संभाग के जिलों में पहुँचे लगभग 7 हजार 66 श्रमिकों को विशेष बसों में बैठाकर उनके गंतव्य स्थल तक भेजा गया। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशों के तहत ग्वालियर एवं चंबल संभाग के जिलों में पहुँचने वाले प्रवासी श्रमिकों की थर्मल स्क्रीनिंग, ठहरने, भोजन, चाय, नाश्ता, पेयजल आदि की व्यवस्था के साथ प्रदेश के गृह जिलों तथा पड़ोसी राज्यों की सीमाओं पर भेजने के लिये स्थानीय जिला प्रशासन द्वारा बसों के विशेष प्रबंध किए गए हैं। इन प्रवासी मजदूरों को उनके गृह जिले में भेजने के पूर्व उनके नाम, पता, मोबाइल नम्बर लेने के बाद ही रवाना किया जा रहा है।

ग्वालियर एवं चंबल संभाग के जिलों में मंगलवार को ग्वालियर संभाग के ग्वालियर जिले में 1 हजार 599 श्रमिकों को रेलवे स्टेशन एवं मालवा कॉलेज में बनाए गए राहत शिविर से विशेष बसों द्वारा रवाना किया गया, जिसमें 799 श्रमिक विशेष ट्रेन से रेलवे स्टेशन पहुँचे थे। इसी प्रकार शिवपुरी जिले में 111, दतिया में 200, गुना में 36 श्रमिकों को उनके घरों तक भेजा गया है। इसी प्रकार चंबल संभाग के मुरैना जिले में 3639 श्रमिकों को, भिण्ड में 148 श्रमिकों को उनके घरों तक भेजने की व्यवस्था की गई है। जबकि अशोकनगर एवं श्योपुर जिले में मंगलवार को किसी भी प्रवासी मजदूर की वापसी नहीं हुई है।

प्रदेश के सिनेमाघर 31 मई तक बंद रहेंगे

ग्वालियर। राज्य शासन ने मध्यप्रदेश सिनेमा (विनियमन) अधिनियम-1952 के तहत प्रदेश में संचालित सभी सिनेमाघरों को 31 मई, 2020 तक के लिये बंद रखे जाने के आदेश जारी किये हैं। उल्लेखनीय है कि पूर्व में प्रदेश के सभी सिनेमाघरों को 17 मई, 2020 तक के लिये बंद रखने के आदेश जारी किये गये थे।

VISION 2030
अब अपनी पढाई को दो रफ्तार
*SSC/ बैंक/ रेलवे/MPPSC/UPSC/ POLICE/SI के साथ ही सभी तरह की COMPETITION CLASSES
फ्री में आप हमारा App "VISION 2030 डाउनलोड कर सकते हैं
अगर आप कोचिंग/स्कूल चलाते है तो अपनी छात्र संख्या बढ़ाने के लिये सम्पर्क कर सकते हैं
Vision 2030
फ्रेंचाइजी लेने के लिये सम्पर्क करें और हर माह 50 से 60000/- कमाना शुरु करें
HOME TUITION
Class:- 6th-12th हिन्दी मीडियम/इंग्लिश मीडियम/CBSE
MP/UP/GUJRAT/CG
BHIND/GWALIOR/DATIA/
संपर्क: ए-ब्लॉक 404 भाऊ साहब की पोतनिस मुरार रोड गोले का मंदिर ग्वालियर 9691937250

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478